कार्तिक कृष्ण पक्ष अष्टमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 101 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
14 अक्टूबर 2025 मंगलवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
30 अधिकतम
23 न्यूनतम

Page-7

मसला- सूखी सेवनिया रेलवे ओवर ब्रिज के पास सड़क धंसने का

चेतावनी मिलती रही और सड़क विकास निगम के अफसर-इंजीनियर सोते रहे

भोपाल

भोपाल शहर में एंट्री के बगैर घुसे बगैर होशंगाबाद, विदिशा, बैरसिया और नरसिंहगढ़ रोड को जोड़ने वाले 52 किमी लंबे बायपास पर सूखी सेवनिया के पास रेलवे ओवर ब्रिज की एप्रोच रोड के धंसने की कहानी मध्यप्रदेश के सड़क विकास निगम के अफसरों और इंजीनियरों की लेतलाली को बयां कर रही है। रेलवे ओवर ब्रिज की अप्रोच रोड का जो हिस्सा धंसा है वह घटिया डिजाइनिंग, निर्माण और उसके सुपरविजन की खामियों की अनदेखी की दांस्ता बता रहा है। अभी तो सूखी सेवनिया रेलवे ओवर ब्रिज पर चढ़ने वाली सड़क का एक तरफ का हिस्सा धंसा है। यदि समय रहते ध्यान नहीं दिया तो उसका दूसरा हिस्सा भी कभी भी गिर सकता है जिससे हादसे की आशंका है। ईस्टर्न बायपास के बतौर बनाए गए इस रोड के निर्माण का मकसद था कि नागपुर , होशंगाबाद, सागर, रायसेन विदिशा बैरसिया की तरफ से आने - जाने वाले वाहनों को भोपाल शहर में नहीं घुसना तो वह बेरोकटोक कम वक्त में राजधानी के भीड़ भरे रास्ते बचकर निकल सकता है। 2012 में 52 किमी लंबी इस सड़क का निर्माण टालस्टाय नामक कंपनी ने किया था। 2016 तक यह रोड पूरी तरह बनकर तैयार हो गई और निर्बाध आवागमन भी शुरू हो गया। लेकिन सड़क बनने के बाद से ही इसके जगह-जगह से धंसने (रोड में कांपेक्शन की कमी के चलते होने वाला सेटलमेंट) का सिलसिला शुरू हो गया था। बीओटी (बिल्ड एंड आपरेट विद टोल) के आधार पर बनी इस सड़क का रखरखाव टालस्टाय ने सही तरीके से नहीं किया। 2020 में टालस्टाय का टोल निरस्त करके सड़क निगम ने इसका टोल वसूलने से लेकर उसकी मरम्मत और रखरखाव का काम अपने हाथ में ले लिया।

दोपहर मेट्रो विशेष
● राजेश सिरोठिया

सबसे खराब पहलू घटिया सड़क और रेलवे ओवर ब्रिज के एप्रोच का

ईस्टर्न बायपास सूखी सेवनिया रेलवे ओवर ब्रिज के एप्रोच रोड की जो डिजायन तैयार की गई थी वह बेहद खराब थी। उसका निर्माण करने वाली एजेंसी टालस्टाय ने भी लेतलाली की लेकिन इस सड़क के निर्माण की गुणवत्ता की जांच करने वाले अफसरों ने भी उसकी जमकर अनदेखी की। जब यह सड़क बनी उसका काम सड़क निगम के चीफ इंजीनियर के बतौर अनिल चंसौरिया बीओटी सड़क का काम देख रहे थे, जबकि 2006 से 2020 तक चीफ इंजीनियर रहे एक अन्य अफसर जीपी मेहरा के पास एशियन डेवलपमेंट बैंक के कर्ज से बनने वाली मप्र सड़क विकास निगम की सड़कों का काम था। इस ईस्टर्न बीओटी बायपास का काम चंसौरिया के अधीन डीजीएम यानि कार्यपालन यंत्री के बतौर डीएस मीणा देख रहे थे तो एजीएम यानि सहायक यंत्री के बतौर मोहम्मद हासिम रिजवी का दायित्व था कि सड़क सही बन रही है या नहीं, यह देखें। सड़क में खराबी क्यों आ रही है उसको दुरूस्त करने का काम शिद्दत से किया जा रहा है या नहीं इसकी जवाबदेही भी इन अफसरों की थी। निगम के तत्कालीन एमडी मनीष रस्तोगी के कार्यकाल में टालस्टाय का टोल ठेका निरस्त करके सड़क निगम ने रखरखाव और मरम्मत का काम अपने हाथों में ले लिया। सड़क खराब होती रही धंसती रही लेकिन कामचलाऊ तरीके से काम होता रहा। जिसके चलते एप्रोच रोड में कई मर्तबा सेटलमेंट हो चुका था। लेकिन बीते कुछ सालों में जब इसने खतरनाक रूप लेना शुरू किया। तब भी निगम के अफसर और प्रबंध संचालक चादर ओढ़कर सोते रहे। सबसे ज्यादा चौकाने वाली बात यह है कि किसी भी पुल के दोनों तरफ एप्रोच रोड बनती है जो सड़क के उतार चढ़ाव के लिए उसकी ढलान और चढ़ान के लिए काफी मिट्टी का भराव होता है। एप्रोच रोड ठीक तभी बनती है जब भरी गई मिट्टी का डामरीकरण के पहले कांपेक्शन तगड़ा हो। एप्रोच रोड के दोनों ओर के किनारे से मिट्टी के धसकने से रोकने कंक्रीट या मोटे पत्थरों की रिटेनिंग वाल बने।

हैरत की बात है कि सड़क निगम के अफसरों और इंजीनियरों की निगरानी में बनने वाले इस एप्रोच रोड की सड़क को थामे रखने के लिए न तो क्रंकीट की दीवार (रिटेनिंग वाल) बनाई गई और न किसी ने इसकी तरफ ध्यान ही दिया।

रायसेन के कलेक्टर ने शिकायत की फिर भी नहीं चेते अफसर

रायसेन के पूर्व कलेक्टर अरविंद दुबे (जो अभी मुख्यमंत्री सचिवालय में पदस्थ हैं) ने एमपीआरडीसी की बैठकों में और वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान कई बार चेताया कि रिटेनिंग वाल नहीं होने से इस आरओबी की एप्रोच रोड बार-बार धंस रही है जो किसी बड़े हादसे का सबब बन सकती है। लेकिन निगम के अफसरों से लेकर जिम्मेदार इंजीनियरों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। अभी तो एक तरफ की सड़क धंसी है लेकिन दूसरी ओर की एप्रोच रोड का आलम भी यह है कि वह कभी भी धंस सकती है। मप्र सड़क विकास निगम के एमडी भरत यादव जिम्मेदार इंजीनियरों पर कार्रवाई की बात कह रहे हैं लेकिन उन्होंने खुद इस दिशा में क्या काम किया इसका जवाब शायद उनके पास नहीं होगा। राज्य सरकार के स्तर पर भी फिलहाल इतने बड़े हादसे को लेकर कोई हलचल नहीं है और जिम्मेदार अफसरों तथा इंजीनियरों पर कार्रवाई में भी हीला हवाली हो रही है।

सिवनी में हवाला की रकम हड़पने का मामला

डीएसपी पूजा पांडे सहित 11 के खिलाफ डकैती का केस

सिवनी/ भोपाल, दोपहर मेट्रो

जिले में हुए हवाला लूट कांड में अब डीएसपी सहित पुलिस के 11 अफसरों पर शिकंजा कस गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद डीजीपी कैलाश मकवाना ने सख्त कार्रवाई करते हुए एसडीओपी पूजा पांडे सहित 11 पुलिसकर्मियों के खिलाफ डकैती, अवैध रूप से रोकना, अपहरण और आपराधिक षडयंत्र के आरोप में एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं। यह मामला तब उजागर हुआ जब सिवनी पुलिस पर आरोप लगे कि नागपुर के एक व्यक्ति से 3 करोड़ रुपए हवाला के रूप में बरामद किए गए थे, लेकिन पुलिस ने केवल 1.45 करोड़ रुपए की जब्ती दिखाई। न किसी को आरोपी बनाया गया, न वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी गई। इस चौंकाने वाले खुलासे के बाद पुलिस विभाग की छवि पर सवाल उठने लगे। मामला 9 अक्टूबर को सामने आने के बाद आईजी वर्मा ने थाना प्रभारी समेत कई पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया। इसके बाद 10 अक्टूबर को एसडीओपी पूजा पांडे को भी निलंबित किया गया। पुलिस के संदिग्ध आचरण की जांच जबलपुर एएसपी को सौंपी गई थी। जांच रिपोर्ट में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं, जिसके आधार पर एफआईआर दर्ज की गई।

डील फेल होने से फूटा राज

जांच में खुलासा हुआ कि हवाला कारोबारी और पुलिसकर्मियों के बीच डील की कोशिश भी हुई थी। पुलिस आधे-आधे पैसे यानी 1.5 करोड़ बांटने की बात कर रही थी, जबकि हवाला व्यापारी केवल 45 लाख रुपए देकर सेटलमेंट करने को तैयार था। डील फेल होने पर मामला उजागर हो गया.

सुसाइड करने वाले आईपीएस के परिवार से मुलाकात

राहुल गांधी बोले- परिजनों पर पड़ रहा दबाब, तमाशा बंद करे सरकार

चंडीगढ़, एजेंसी

हरियाणा के सीनियर आईपीएस अफसर वाई. पूरन कुमार के सुसाइड मामले को 7 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक शव का पोस्टमॉर्टम नहीं हो पाया है। मंगलवार सुबह आईपीएस के परिवार से मिलने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार तमाशा बंद कर दे।

राहुल ने कहा कि आईपीएस के परिवार पर प्रेशर डाला जा रहा है। यह नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार अफसरों को अरेस्ट करे और दिवंगत आईपीएस का अपमान न करे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी एक्शन लेने की अपील की। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी आईपीएस को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। इससे पहले हरियाणा सरकार ने डीजीपी शत्रुजीत कपूर को छुट्टी पर भेज दिया। उनकी जगह ओम प्रकाश सिंह को अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

न्यूज विंडो

कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश कर रहे 2 आतंकी ढेर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में आज सुबह आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ की खबर है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, भारतीय सेना ने यहां माछिल सेक्टर में आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी है। सेना ने नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध हलचल देखी, जिसके बाद क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया गया। सूत्रों के अनुसार, आतंकवादी एलओसी पार कर भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। सेना ने तुरंत जवाबी कार्रवाई करते हुए उन्हें रोक लिया। दोनों ओर से गोलीबारी हुई, जिसमें दो आतंकवादी मारे गए हैं। सेना के जवान अब भी इलाके में कम्बिंग ऑपरेशन चला रहे हैं ताकि किसी अन्य आतंकी की मौजूदगी की पुष्टि की जा सके।

टीम इंडिया का क्लीन स्वीप वेस्टइंडीज को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। टीम ने आज दूसरे टेस्ट में इंडीज को 7 विकेट से हराया। पहला टेस्ट पारी और 140 रन से जीता था। दिल्ली टेस्ट में भारत को 121 रन का टारगेट मिला था, जिसे भारत ने तीन विकेट पर हासिल कर लिया। केएल राहुल ने चौका लगाकर जीत दिलाई। वे 58 रन बनाकर नाबाद लौटे। शुभमन गिल ने बतौर कप्तान पहली टेस्ट सीरीज जीती है। एक दिन पहले फॉलो ऑन खेल रही वेस्टइंडीज दूसरी पारी में 390 रन पर ऑलआउट हो गई। पहली पारी में भारत ने 518 और वेस्टइंडीज ने 248 रन बनाए। भारत को पहली पारी में 270 रन की बढ़त मिली थी।

महागठबंधन में प्रेशर पॉलिटिक्स

सीट बंटवारे पर सस्पेंस के बीच लालू ने उम्मीदवारों को बांट दिए पार्टी सिंबल

पटना, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए महागठबंधन में सीटों के बंटवारे की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है और राष्ट्रीय जनता दल ने सिंबल बांटना शुरू कर दिया है। दिल्ली से पटना लौटते ही पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने सोमवार देर शाम अपने कई प्रमुख उम्मीदवारों को पार्टी का सिंबल सौंप दिया। ये कदम तब उठाया गया है जब सीटों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस और अन्य सहयोगी दलों के बीच गतिरोध बना हुआ है। लालू यादव ने चार मजबूत चेहरों को चुनावी मैदान में उतारा है, जिनमें मनेर, मसौढ़ी (सुरक्षित), संदेश और मटिहानी जैसी महत्वपूर्ण सीटें शामिल हैं।

नाराज लालू का 'मास्टरस्ट्रोक' : बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा को सात दिन बीत जाने के बावजूद महागठबंधन में अभी तक सीटों का अंतिम बंटवारा नहीं हो पाया है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस और अन्य सहयोगी दलों के साथ सीटों पर सहमति न बनने से लालू प्रसाद यादव नाराज हैं। इसी नाराजगी के चलते लालू ने बिना आधिकारिक बंटवारे के ही सिंबल बांटना शुरू कर दिया। इस कदम को लालू यादव का 'दम दिखाने' वाला मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है। माना जा रहा है कि कांग्रेस जल्द फैसला नहीं लेती है, तो आरजेडी अकेले अपने उम्मीदवारों को आगे बढ़ाना जारी रखेगी।

स्वच्छता सम्मान समारोह

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा आज राज्य स्तरीय एवं कार्यशाला का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने उल्लेखनीय कार्य करने वाले नगरीय निकायों को स्वच्छता सम्मान प्रदान किया।

मेट्रो एंकर यहां सबकी अलग कहानी...कठिन परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं के बीच वायरल संदेश

यूपीएससी की तैयारी कर रहे 'मम्मा बॉय' ने दिल्ली छोड़ते हुए लिखी इमोशनल पोस्ट, *धैर्य की परीक्षा लेता है शहर...* लोगों ने कहा फिर आना

नईदिल्ली, एजेंसी

हर साल यूपीएससी की तैयारी के लिए देशभर से युवा दिल्ली आते हैं। कामयाबी कुछ को ही मिलती है। ऐसे में जो निराश होते हैं वो भी इस पराए शहर को अपना मानते हुए यहां बिताए समय को हमेशा याद रखते हैं। इंटरनेट पर एक एक्स यूजर ने दिल्ली के बारे में भी कुछ ऐसा ही लिखा है, जो अब वायरल हो गया है। बंदे ने बताया कि कैसे वह दिल्ली में यूपीएससी की तैयारी के लिए 15 महीनों तक रुका था और अब जब समय है, अलविदा कहने का, तो उसे यह कितना अजीब लग रहा है। शुभ नाम के यूजर ने एक्स पर दिल्ली को विदा कहते हुए अपनी लंबी-चौड़ी पोस्ट में लिखा- अलविदा दिल्ली ! 15 महीने बताने के बाद, अपने बीते डेढ़ सालों को कुछ सूटकेसों में समेटकर, रणबीर कपूर की तरह, क्लाइमैक्स सीन में शादियों से दूर जाते हुए, यहां से चले जाना कितना अजीब लगता है। पिछले जुलाई में, मैं यूपीएससी की कोचिंग के लिए दिल्ली आया था।

दिल्ली हमेशा चौंका देता है

ठीक वैसे ही जैसे हजारों लोग, जो भारत के कोने-कोने से आते हैं, उम्मीद और चिंता दोनों को बराबर मात्रा में लेकर। मैं जिंदगी भर एक मम्मा बॉय रहा हूं। जिसने शायद ही कभी अपने शहर से बाहर कदम रखा हो, जिंदगी को कभी खुद से नहीं जीया। लेकिन मेरे अंदर कुछ ऐसा था जो उस शहर में रहने के पागलपन का अनुभव करना चाहता था। यह शहर आपको विनम्र बनाता है, आपके धैर्य और आपके डर की परीक्षा लेता है। मई में आपकी त्वचा को जला देता है, जनवरी में आपकी हड्डियों को जमा देता है। फिर भी समय के साथ किसी तरह आप पर छा जाता है।

चीजें मेरे कंट्रोल के बाहर हो गईं!

कुछ निराशाएं मेरी उम्मीद से ज्यादा आईं, और कुछ चीजें मेरे कंट्रोल से बाहर हो गईं। उस सारी उथल-पुथल के बीच, धीरे-धीरे, शायद दिखाई न दे, लेकिन बेचैनी बढ़ी। शायद मैं इस शहर में वापस आऊं, उन यादों को ताजा करने के लिए जिन्हें मैंने पीछे छोड़ा है। पोस्ट को 75 हजार व्यूज व 400 से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। कमेंट सेक्शन में पचासों रिएक्शन आए है। एक यूजर ने लिखा- शानदार लेखन और एक्सपीरीयंस शेयर करने के लिए धन्यवाद। दूसरे यूजर ने कहा कि दिल्ली जब चाहती है, तब बुलाती है। ज्यादातर यूजर्स बंदे को फिर आने को कह रहे हैं।

दीपावली की रौनक बढ़ी, सजावटी व आकर्षक सामानों से सजा बाजार

भोपाल। त्योहारों का मौसम आते ही राजधानी भोपाल में दीपावली की तैयारियां जोरों पर हैं। शहर के बाजारों में दीपावली की रौनक नजर आने लगी है। न्यू मार्केट, चौक बाजार, बिट्टन मार्केट और अवधपुरी सहित सभी प्रमुख बाजारों में सजावट की गई है। दुकानों पर रंग-बिरंगी लाइटें, दीये, सजावटी सामान और मिठाइयों की खरीदारी करने लोगों की भीड़ जुटने लगी है। लोग अपने घरों की साफ-सफाई और सजावट में जुट गए हैं। पेंटिंग, लाइटिंग और नए सामान की खरीदारी के साथ ही इस बार पर्यावरण अनुकूल दीयों और सजावट का ट्रेंड भी बढ़ रहा है। मिठाई की दुकानों पर ग्राहकों की लंबी कतारें दिख रही हैं तो वहीं कपड़ा और गिफ्ट शॉप्स पर भी भीड़ उमड़ रही है। नगर निगम की ओर से भी शहर की सड़कों और प्रमुख चौकों को लाइटिंग से सजाने की तैयारी की जा रही है। बिजली विभाग ने दीपावली के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है।

शॉर्टकट रास्ता बना मुसीबत, हर दिन हजारों वाहनों का आना-जाना

जाम की समस्या से जूझ रहे लोग, पीक ऑवर्स में निकलना हो गया मुश्किल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर के एमपी नगर, रचना टॉवर और सुभाष नगर मुक्तिधाम को जोड़ने वाली रोड के बीचों-बीच स्थित मेहता मार्केट तिराहा इन दिनों ट्रैफिक जाम की बड़ी समस्या से जूझ रहा है। रचना टॉवर के पास की टर्निंग सुबह और शाम पीक ऑवर्स में जाम का प्रमुख कारण बन चुकी है। यहां न तो पुलिस के चेक पाइंट बने हुए हैं और न ही ट्रैफिक सिग्नल। जिसके चलते ऑफिस टाइम और स्कूल बसों के मूवमेंट के दौरान यहां हालात इतने बिगड़ जाते हैं कि लोगों को मिनटों का सफर तय करने में आधा घंटा से ज्यादा वक्त लग जाता है। इतना ही नहीं इसी तिराहे से होकर दिनभर रचना टॉवर के पूर्व और वर्तमान वीआईपी वाहन भी गुजरते हैं।

तिराहे पर ठेले वालों का कब्जा, नहीं होती ट्रैफिक पुलिस

तिराहे में ठेले वाले भी सड़क किनारे कब्जा जमाए रहते हैं। इस वजह से सड़क का आधा हिस्सा ही यातायात के लिए बचता है। व्यापारी भी मानते हैं कि ग्राहकों की पार्किंग से दिक्कत बढ़ती है, लेकिन उनका कहना है कि जब तक वैकल्पिक पार्किंग व्यवस्था नहीं होगी, समस्या बनी रहेगी। जाम की सबसे गंभीर स्थिति तब बनती है जब एंबुलेंस या स्कूली बच्चों की बसें फंस जाती हैं।

मनमानी से होती है परेशानी

जोन-12 के अंतर्गत शहर की मुख्य सड़क से जुड़ा मेहता मार्केट तिराहा और रचना टॉवर के पास का टर्निंग पाइंट इन दिनों जाम का स्थायी अड्डा बन गया है। रोजाना सुबह-शाम यहां घंटों तक ट्रैफिक थम जाता है। राहगीर, ऑफिस जाने वाले कर्मचारी, स्कूली बच्चे और आम वाहन चालक परेशान हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठा पाया है। सुबह 9 से 11 और शाम 6 से 9 बजे तक यह तिराहा पूरी तरह से जाम की गिरफ्त में रहता है। बता दें कि यहां से लाखों वाहन गुजरते हैं। रोजाना लाखों वाहन इस तिराहे से होकर गुजरते हैं। लेकिन ट्रैफिक पुलिस की तैनाती यहां नियमित रूप से नहीं होती। नतीजा यह कि वाहन चालक अपनी मनमानी से गाड़ियां घुमा लेते हैं जिससे जाम की स्थिति और ज्यादा खराब हो जाती है। लोगों का कहना है कि तिराहे के पास आए दिन ट्रैफिक जाम की समस्या से राहगीर और वाहन चालकों को जूझना पड़ रहा है, ऐसे में इसका स्थाई समाधान निकाला जाना चाहिए, जिससे स्थानीय व्यापारियों के साथ ग्राहकों को भी राहत मिल सके।

पुराने भोपाल में चार पहिया और लोडिंग वाहन प्रतिबंधित

फेस्टिवल के चलते बदला ट्रैफिक प्लान, अस्थायी पार्किंग की भी व्यवस्था

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दीपावली पर्व के चलते भोपाल में अगले 8 दिनों तक यातायात पुलिस ने विशेष व्यवस्था लागू की है। पुराने शहर से लेकर न्यू मार्केट, 10 नंबर मार्केट, एमपी नगर और बैरागढ़ तक उन इलाकों में ट्रैफिक डायवर्जन और अस्थायी पार्किंग की व्यवस्था की गई है। जहां दीपावली की खरीदारी के दौरान सबसे ज्यादा भीड़ रहने की संभावना है। नगरीय यातायात पुलिस भोपाल के अनुसार, 13 से 21 अक्टूबर तक भीड़भाड़ की स्थिति को देखते हुए कई बाजारों में चार पहिया और तीन पहिया वाहनों का प्रवेश सीमित रहेगा।

पुराना भोपाल क्षेत्र में नहीं जा सकेंगे वाहन : जनकपुरी, जुमेराती, छोटे भैया चौराहा, घोड़ा नक्कास, हनुमानगंज और आजाद मार्केट जैसे इलाकों में लोडिंग वाहन, ऑटो व चारपहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। करोंद, डीआईजी बंगला और शाहजहांनाबाद से आने वाले वाहन भोपाल टॉकीज चौराहे से आगे नहीं जा सकेंगे, उन्हें बाल विहार ग्राउंड में पार्क करना होगा।

10 नंबर मार्केट में वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था

13 से 21 अक्टूबर तक 10 नंबर मार्केट की ओर जाने वाले मार्ग को वन-वे बनाया गया है। वाहन वंदे मातरम चौराहे से प्रवेश कर 10 नंबर मार्केट तिराहा होते हुए नेशनल अस्पताल की ओर जा सकेंगे। वहीं, नेशनल अस्पताल से वंदे मातरम् चौराहे की दिशा में आवाजाही प्रतिबंधित रहेगा।

न्यू मार्केट व एमपी नगर के लिए मल्टीलेवल पार्किंग

न्यू मार्केट क्षेत्र में टीटी नगर थाना चौराहे के पास मल्टीलेवल पार्किंग उपलब्ध है। भीड़ बढ़ने पर रंगमहल चौराहे से थाना चौराहे की दिशा में आवागमन को परिवर्तित किया जा सकता है एमपी नगर जोन-1 के व्यापारी और खरीदार स्थानीय मल्टीलेवल पार्किंग और निर्धारित स्थलों में ही वाहन पार्क करें।

बैरागढ़ में चंचल चौराहे के पास व्यवस्था

बैरागढ़ क्षेत्र में चंचल चौराहे के पास मल्टीलेवल पार्किंग तैयार है। इसके अलावा, नए ब्रिज निर्माण के दौरान पीडब्ल्यूडी द्वारा छोटे अस्थायी पार्किंग स्थल भी बनाए जा रहे हैं। जहां ग्राहक अल्प समय के लिए वाहन खड़े कर सकेंगे।

पहली बार पुलिस ट्रेनिंग में 21 किमी की हाफ मैराथन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र पुलिस में भर्ती हुए नए सिपाही अब 21 किमी की हाफ मैराथन भी दौड़ेंगे। ऐसा उनकी स्ट्रेंथ बढ़ाने की नियत से किया गया है। सभी पुलिस ट्रेनिंग स्कूल (पीटीएस) और पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज (पीटीसी) में चल रही 3500 से ज्यादा रिक्रूट्स की ट्रेनिंग में यह व्यवस्था पहली बार लागू की गई है। हालांकि, बेसिक ट्रेनिंग के दौरान होने वाली आउटडोर ट्रेनिंग परीक्षा का आधार 5 किमी की दौड़ ही होगा। यदि कोई रिक्रूट चाहे तो वह 21 किमी की हाफ मैराथन में अपना नाम जुड़वा सकता है। अब तक 650 रिक्रूट हाफ मैराथन में शामिल हो चुके हैं। सोमवार को पीटीसी पचमढ़ी में 21.0975 किमी लंबी हाफ मैराथन का आयोजन किया गया। इसमें 89 प्रशिक्षु नव आरक्षकों ने भाग लिया। इस पीटीसी में 263 प्रशिक्षु नव आरक्षकों का अलॉटमेंट हुआ है। प्रशिक्षुओं को नई विधाओं के गुर भी सिखाए जा रहे हैं। इनमें बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स और आईटीबीपी की तर्ज पर सिपाहियों को 6 राज्यों की लोकल मार्शल आर्ट भी सिखाई जा रही हैं।

लोक निर्माण विभाग बैरिकेडिंग पर खर्च करेगा एक करोड़, बजट तय

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर में वीआइपी विजिट व उनके कार्यक्रमों के दौरान की जाने वाली बैरिकेडिंग आमजन को एक करोड़ रुपए की पड़ेगी। लोक निर्माण विभाग ने सिर्फ बैरिकेडिंग पर एक करोड़ रुपए की बड़ी राशि खर्च करने का बजट तय किया है। पीडब्ल्यूडी के चार शहर संभाग है और प्रति संभाग औसतन 25 लाख रुपए खर्च होंगे। आमजन की गाढ़ी कमाई का पैसा लगभग पानी की तरह बहाने की स्थिति है। विभाग ने 21 लाख रुपए की पहली टेंडरिंग भी कर दी है।

इस साल में अब तक 100वीआइपी मूवमेंट जिले में इस साल अब तक 100 वीआइपी मूवमेंट हो चुके हैं। इसमें राजनेता से लेकर फिल्मी व अन्य क्षेत्र की हस्तियां रही है। कुछ के सार्वजनिक कार्यक्रम भी हुए। जिले में सबसे ज्यादा वीआइपी मूवमेंट फरवरी 2025 में इन्वेस्टर्स समिट के दौरान हुए थे। कई मंत्री व उद्योगपति यहां पहुंचे थे। कुल मूवमेंट का 60 फीसदी इसी माह हुआ था। जिले में 40 फीसदी अफसर रोजाना वीआइपी ड्यूटी में रहते हैं। कोई बाहर से न भी आए तो स्थानीय स्तर पर मंत्री, मुख्यमंत्री व इसी तरह की वीआइपी ड्यूटी इनकी होती है।

राजधानी में बना रहता है वीआइपी मूवमेंट

बंधित अफसरों के अनुसार विभाग के पास जिले में खुद के करीब 1000 बैरिकेड्स है। ऐसे में ठेकेदारों को बैरिकेडिंग के नाम पर एक करोड़ रुपए की राशि देना हैरानी भरा है। राजधानी होने से यहां वीआइपी मूवमेंट बना रहता है, ऐसे में इस तरह की बजट विभाग व आमजन पर टैक्स का बोझ बढ़ाने जैसा ही है। विभाग तय बजट और स्थिति के अनुसार ही काम करता है। जरूरत के अनुसार संसाधन चाहिए। ऐसे में कई बार वैकल्पिक व्यवस्थाएं बनाए रखना होती है।

एनजीटी ने अपनारा कड़ा रुख

वेटलैंड में सीवेज प्रवाह और अवैध अतिक्रमण को रोकने के दिए निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने शहर की जीवनरेखा कही जाने वाली भोज वेटलैंड के अस्तित्व पर मंडरा रहे गंभीर संकट के मद्देनजर राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन को कड़े निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने वेटलैंड में बिना शोधन के सीवेज प्रवाह और अवैध अतिक्रमणों को तत्काल रोकने के निर्देश दिए हैं। एनजीटी ने आदेश दिया कि वेटलैंड (संरक्षण एवं प्रबंधन) नियम, 2017 का पालन सुनिश्चित करना राज्य सरकार की जिमेदारी है। अदालत ने कहा कि निषिद्ध क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के अतिक्रमण या अवैध निर्माण की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। एनजीटी ने यह भी निर्देश दिया कि वेटलैंड में बिना शोधन का जल प्रवाह तुरंत रोका जाए। मामले की अगली सुनवाई 31 अक्टूबर को निर्धारित की गई है।

झील पर मंडराते खतरे : भोज वेटलैंड, जिसे अंतरराष्ट्रीय महत्व की रामसर साइट के रूप में मान्यता

प्राप्त है, भोपाल के 12 लाख लोगों के लिए पेयजल का मुख्य स्त्रोत है। यह झील स्थानीय जलवायु संतुलन, भूजल पुनर्भरण और जैव विविधता संरक्षण में अहम भूमिका निभाती है। कोर्ट के निर्देशों के बावजूद झील में सीवेज, अस्पतालों और घरों का कचरा लगातार प्रवाहित हो रहा है। झील के आसपास अवैध निर्माण आवासीय और व्यावसायिक दोनों ही, तथा ठोस अपशिष्ट का अंधाधुंध डंपिंग जारी है।

मेट्रो एंकर अब टैंडम सेल का दौर, कम जगह में बनेगी 30 फीसदी ज्यादा बिजली

900 मेगावाट बिजली सोलर से बनाने का है लक्ष्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सोलर पैनल से ज्यादा बिजली उत्पादित जगह कम है तो परेशान न हों। जल्द ही आपको टैंडम सोलर सेल वाले पैनल उपलब्ध हो जाएंगे। एक-दूसरे पर स्टैक वाले यानी एक पर दूसरी परत वाले ये पैनल जगह भी कम लेंगे। भोपाल में 900 मेगावाट बिजली सौर ऊर्जा से उत्पादन का लक्ष्य है। नए जमाने के सेल इसमें मददगार होंगे।

हाल में केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने विशेषज्ञों के साथ वर्कशॉप की। इन पर आईआईटी मुंबई, आईआईटी दिल्ली, रुड़की, भिलाई रिसर्च कर रहे हैं। सामान्य सेल 18 से 24 फीसदी तक सौर ऊर्जा को बिजली में बदलते हैं। टैंडम सेल 30 फीसदी प्रकाश को बिजली में बदल देंगे। बताया गया कि कंपनी पीएम सूर्यघर योजना की सब्सिडी के साथ उपभोक्ताओं के यहां सोलर पैनल स्थापित करवा रही है। वेंडर्स और उपभोक्ता के बीच टीम काम कर रही है।

ऐसे समझें तकनीक

विशेष प्रकार के सौर उपकरण टैंडम सौर सेल सौर स्पेक्ट्रम का बेहतर ढंग से उपयोग करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये कई सब-सेल को एक-दूसरे पर स्टैक कर जमा करके बनाए जाते हैं। हर सब-सेल को एक अलग बैंडगैप सामग्री का उपयोग कर बनाया जाता है, जो यह तय करती है कि वह प्रकाश के स्पेक्ट्रम की किस रेंज को कुशलतापूर्वक अवशोषित कर सकती है। इससे सुनिश्चित होता है कि सूर्य के प्रकाश का अधिकतम संभव हिस्सा बिजली में परिवर्तित हो जाए।

25 हजार छतों पर लगाने हैं सोलर प्लांट

भोपाल नगर निगम और बिजली कंपनी को शासन ने 25 हजार छतों पर सोलर प्लांट लगाने का लक्ष्य दिया है। अभी 2000 छतों पर ही लग पाए हैं। तीन मेगावाट ही बिजली सोलर से बन रही है। निगम ने 35 मेगावाट के प्लांट स्थापित कराएं, लेकिन वे शहर से 500 किमी दूर नीमच जिले में है। भेल का ही सबसे बड़ा प्लांट है।

चुनिंदा रिसर्च यूनिवर्सिटी में शामिल होने के बाद भी नहीं सुधरे बीयू के हालात

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी (बीयू) को मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी (मेरू) का दर्जा तो मिल गया, लेकिन हालात अब भी पुराने जैसे ही हैं। गैर-शैक्षणिक कार्यों और परीक्षाओं की जिमेदारियों में उलझे प्रोफेसरों के कारण रिसर्च गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। नतीजा यह है कि दर्जा मिलने के बाद भी बीते पांच साल में विश्वविद्यालय से कोई ऐसी बड़ी रिसर्च सामने नहीं आई, जो राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिला सके। दरअसल, बीयू में 105 नियमित फैकल्टी पद स्वीकृत हैं, लेकिन इनमें से केवल 37 पद भरे हुए हैं। शेष 68 पद खाली हैं। प्रोफेसरों की कमी का सीधा असर रिसर्च वर्क पर पड़ा है। यहां कार्यरत प्रोफेसर्स का अधिकांश समय परीक्षाओं की तैयारियों और गैर-शैक्षणिक गतिविधियों में निकल जाता है, जिससे शोध कार्य पर ध्यान नहीं दिया जा पा रहा। विश्वविद्यालय में 218 गेस्ट फैकल्टी भी कार्यरत हैं, लेकिन ये रिसर्च में शामिल नहीं होतीं।

शासन ने भर्ती के दिए निर्देश, पर प्रक्रिया अधूरी

राजभवन ने 2023 में खाली पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद बीयू ने सहायक प्राध्यापक पदों पर नियुक्ति के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू की। दो माह पहले शुरू हुई इस भर्ती में 31 पदों के लिए 1485 उमीदवारों ने आवेदन किया। हालांकि दस्तावेज़ों की स्क्रूटनी के बाद भी इंटरव्यू की प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं हो सकी है।

राजस्व वसूली में पिछड़ रही मोहन सरकार

छह माह में 38000करोड़ का कर्ज, लक्ष्य से 2600 करोड़ कम हुई जीएसटी आय

भोपाल, दोहपर मेट्रो

चालू वित्त वर्ष में अब तक 38 हजार करोड़ रुपए का कर्ज लेने के बावजूद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार प्रदेश की आमदनी बढ़ाने में सफल नहीं हो पाई है। जीएसटी, आबकारी, वैट, परिवहन और पंजीयन विभागों से अपेक्षित राजस्व वसूली नहीं हो सकी है। छह माह की समीक्षा रिपोर्ट ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है।

मुख्यमंत्री ने बैठक में राजस्व बढ़ाने वाले सभी विभागों को निर्देश दिए कि टारगेट हासिल करने के लिए अभियान चलाया जाए। मुख्य सचिव अनुराग जैन की मौजूदगी में हुई बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो सरकार को 5 हजार करोड़ रुपए से अधिक का घाटा झेलना पड़ सकता है। सरकार ने इस वित्त वर्ष के बजट में जीएसटी से 42,140 करोड़ रुपए वसूली का अनुमान लगाया था, जिसे बाद में घटाकर 37,533 करोड़ रुपए कर दिया गया। सितंबर तक 19,600 करोड़ रुपए वसूली के लक्ष्य के मुकाबले अब तक केवल 16,956 करोड़ रुपए ही वसूल हुए हैं। यानी 2,644 करोड़ की कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2023 में जीएसटी और वैट से सरकार को 22,273 करोड़, जबकि 2024 में 22,967 करोड़ रुपए मिले थे। चालू वित्त वर्ष के पहले छह माह में सिर्फ 10,857 करोड़ रुपए ही प्राप्त हुए हैं।

राजस्व में लगातार गिरावट को देखते हुए वित्त विभाग ने विभागीय प्रमुखों को सख्त निर्देश जारी किए हैं कि राजस्व संग्रहण की गति तेज की जाए अन्यथा आगामी तिमाही में बजटीय संतुलन बनाए रखना कठिन होगा।

सरकार को मिले राजस्व और घाटे की स्थिति

जीएसटी से 42140 करोड़ मिलने का अनुमान था और अब तक 16956 करोड़ वसूली हुई है। वसूली में 13.5 प्रतिशत गिरावट आई है। छह माह में 9850 करोड़ वसूली का टारगेट तय था। वैट से 22861 करोड़ का राजस्व मिलने का अनुमान था। इसके विपरीत 8909 करोड़ ही वसूले जा सके हैं। इसमें 9.1 प्रतिशत कमी पाई गई है। आबकारी विभाग से 1800 करोड़ के लक्ष्य के विपरीत 8293 करोड़ वसूले गए हैं। इसमें एक प्रतिशत की वृद्धि पाई गई है। स्टांप शुल्क और पंजीयन से 13920 करोड़ मिलना थे, जिसमें से 5800 करोड़ जमा हो सके हैं। इसमें छह माह में 270 करोड़ कम आए हैं जो 4.4 प्रतिशत कम है। खनिज से 13069 करोड़ का राजस्व मिलना था जिसमें से 4853 करोड़ ही वसूले जा सके हैं। यह लक्ष्य के मुकाबले 142 करोड़ यानी 2.8 प्रतिशत कम है। परिवहन विभाग द्वारा 5700 करोड़ रुपए वसूलना था जिसमें से 1905 करोड़ वसूले जा सके हैं ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने होटल ताज में एमएसएमई निवेश प्रोत्साहन एवं संवर्धन 2025 सम्मेलन के दौरान उद्यम क्रांति के लाभार्थियों को हितलाभ वितरित किये।

एमपी ट्रैवल मार्ट-पहली बार 27 देश के टूर ऑपरेटर आए

3 दिन में 4 हजार बिजनेस मीटिंग हुई 3665 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव

भोपाल, दोहपर मेट्रो

भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में 3 दिन चले मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट का सोमवार को समापन हो गया है। आखिरी दिन सुबह से शाम तक कई सेशन हुए। सबसे खास देश-विदेश के टूर गाइड और ट्रैवल्स संचालक वन-टू-वन चर्चा शामिल हैं। इसमें टूरिज्म कैसे बढ़े, इस पर मंथन किया गया। तीन दिन में 4 हजार से ज्यादा बिजनेस टू बिजनेस मीटिंग हुई। वहीं, 3665 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले।

ता दें कि ट्रैवल मार्ट में फिल्म हस्तियां भी मौजूद रही, जिन्होंने भी एग्रीमेंट किए। वहीं, सीएम डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में 3 सेक्टर में हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने की बात भी है। ताकि बड़े शहरों के साथ टूरिस्ट स्पॉट व छोटे शहर भी जुड़ सकेंगे। पहले और दूसरे दिन कई सेशन हुए। इसमें मध्यप्रदेश की खूबसूरती और

पर्यटन को बढ़ाने देने पर चर्चा की गई। प्रसिद्ध डायरेक्टर एकता कपूर, अभिनेता गजराज राव, रघुबीर यादव, अभिनेत्री सुनीता राजवर आदि भी मौजूद रहे। ट्रैवल मार्ट में 27 देश के 100 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय टूर ऑपरेटर्स, भारत के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों, होटलियर्स, निवेशकों और 700 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। समापन पर सर्वश्रेष्ठ स्टॉल पुरस्कार श्रेणी में प्रथम पुरस्कार शंभाला रिसोर्ट (भोपाल), द्वितीय पुरस्कार यार नगर जंगल रिसोर्ट और तृतीय पुरस्कार एन्चांटिंग मध्यप्रदेश (ग्वालियर) को प्रदान किया गया।

फॉरेन टूर ऑपरेटर्स ने रखे विचार

वेल्स बेकन्स लिमिटेड (यूके) के निदेशक एरिक हॉलीडे ने कहा, यह अनुभव अद्भुत और वास्तव में अविस्मरणीय रहा। उद्घाटन समारोह जीवंत, प्रामाणिक और अत्यंत प्रेरणादायक रहा। मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट वास्तव में भारत के हृदय को दर्शाता है। एनईआई यूके के निदेशक पीटर रीज-जोन्स ने कहा कि दशकों पहले पहली बार भारत आने के बाद अब लौटकर आना और पर्यटन के क्षेत्र में हुई अभूतपूर्व प्रगति को देखना अद्भुत अनुभव है। मध्यप्रदेश की गर्मजोशी, आध्यात्मिकता और विविधता इसे वैश्विक यात्रियों के लिए एक उत्कृष्ट गंतव्य बनाती है। बी अवे एजेंसी, बोर्डो (फ्रांस) की ऑरेलि डाइलैक ने कहा कि भारत में ऐसे प्रेरणादायक आयोजन में भाग लेना मेरे लिए पहली बार का अनुभव है।

दिवाली पर दूध, मावा-मिठाई की जांच करेंगे अफसर

फूड कंट्रोलर ने कलेक्टर को लिखा लेटर, कहा-हर रोज सैंपलिंग करवाएं

भोपाल/इंदौर, दोहपर मेट्रो

दिवाली पर दूध, मावा-मिठाई समेत खाद्य सामग्री की जांच के लिए टीमें मैदान में उतरेंगी। इसे लेकर फूड कंट्रोलर दिनेश श्रीवास्तव ने सभी कलेक्टरों को भी लेटर लिखा है। होटल, रेस्टोरेंट, डेयरी पर जांच के साथ ही ट्रेनों पर भी नजर रखी जाएगी। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र से भोपाल में हर साल अमानक मावा पहुंचता है।

लेटर के बाद भोपाल में टीमें मैदान में उतर गई हैं। सोमवार को टीम ने कई दुकानों पर जाकर जांच की। इधर फूड कंट्रोलर श्रीवास्तव ने लिखा में कहा है कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 तथा नियम 2011 का कड़ाई से पालन कराया जाए। पत्र में लिखा- त्योहारी सीजन में मिलावट की रोकथाम के लिए खाद्य प्रतिष्ठानों का लगातार निरीक्षण हो। जिन प्रतिष्ठानों पर मिलावट या संदिग्ध सामग्री की आशंका हो, वहां से तत्काल नमूने लेकर नियम अनुसार कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही अवैध रूप से खाद्य पदार्थ निर्माण करने वाले प्रतिष्ठानों पर भी अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए।

इन पर विशेष नजर- दिवाली के दौरान जिन खाद्य पदार्थों का उपयोग अधिक होता है। जैसे- दूध, मावा, मिठाई, तेल, मसाले, गिफ्ट हैम्पर, ड्राईफ्रूट, चॉकलेट, बिस्किट, नमकीन, ब्रांडेड स्वीट्स आदि की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके लिए फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स , मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब्स और चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं तैनात की जाए। इसी प्रकार मैजिक बॉक्स, चेकिंग पॉइंट्स और विशेष टीमें निरीक्षण करें। किसी भी शिकायत या संदिग्ध स्थिति की सूचना पर तत्काल मौके पर जाकर प्रभावी कार्रवाई करें और रिपोर्ट मुख्यालय भोपाल को अनिवार्य रूप से भेजें।

लोग भी यह करें- त्योहार के अवसर पर मिठाई या खाद्य सामग्री खरीदते समय उसके निर्माण और समाप्ति तिथि, गुणवत्ता, ब्रांड और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें ताकि किसी प्रकार की मिलावट से बचा जा सके।

नया टकराव

चीन और अमेरिका एक नए ट्रेड वॉर के मुहाने पर खड़े हैं। रेयर अर्थ मिनरल्स पर चीन अपना नियंत्रण कड़ा करना चाहता है और इसी बात से नाराज डोनाल्ड ट्रंप ने उस पर 100त्न टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। दोनों महाशक्तियों के बीच की इस खींचतान का असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा।

चीन का एकाधिकार: किचन से लेकर युद्ध के मैदान तक, आज इस्तेमाल होने वाली हर आधुनिक मशीन रेयर अर्थ बिना अधूरी है और फिलहाल इस पर चीन का कब्जा है। वैश्विक जरूरतों की 90त्न सप्लाई चीन से होती है और इसमें भी 60त्न वह खुद प्रोड्यूस करता है, जबकि बाकी मिनरल्स उसके यहां रिफाइन होते हैं। इसी एकाधिकार की बदौलत इस साल अप्रैल में भी उसने ट्रंप की टैरिफ नीतियों को चुनौती दी थी।

टूटता समझौता: अमेरिकी टैरिफ के विरोध में चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स के निर्यात पर कड़ाई की, तो पूरी दुनिया के ऑटोमेटिव और डिफेंस सेक्टर पर संकट आ गया था। तब दोनों देश एक समझौते पर पहुंचे थे, जिसके तहत अमेरिका ने टैरिफ कम किया और चीन ने नियंत्रण, लेकिन अब वह समझौता टूटता लग रहा है।

कूटनीतिक हथियार: चीन के लिए रेयर अर्थ की सप्लाई का इस्तेमाल कूटनीतिक हथियार के तौर पर करना नया नहीं है। उसके नए नियम, लाइसेंस प्रक्रिया को कठोर बनाना, ऐसे ही कदम हैं। और इनका सबसे ज्यादा असर अमेरिकी डिफेंस सेक्टर पर पड़ने की आशंका है। ट्रंप की तरफ से आई तीखी प्रतिक्रिया की वजह यह भी है। हालांकि चीन जिस तरह रेयर अर्थ पर अपने एकाधिकार को हथियार बना रहा, वैसा ही कुछ अमेरिका ने भी किया था, जब उसने पेइचिंग को कुछ महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर और चिप डिजाइन तकनीक बेचने पर रोक लगा दी थी।

समाधान की उम्मीद: ट्रंप ने चीन पर एक नवंबर से नए टैरिफ लगाने की धमकी दी है। यही वक्त है, जब एशिया-पैसिफिक इकॉनमिक कोऑपरेशन से इतर ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच मुलाकात होनी है। दोनों देशों के बीच ट्रेड डील पर भी बातचीत जारी है, तो उम्मीद की जा सकती है कि उस मुलाकात में ताजा संकट का कोई हल निकल जाए।

दूसरों के लिए सबक- इस टकराव ने फिर साबित कर दिया है कि ग्लोबल सप्लाई चेन किस तरह चुनिंदा ताकतों पर निर्भर है। चीन और अमेरिका, दोनों ही अपने व्यापारिक प्रभाव का इस्तेमाल अपनी नीतियों को थोपने में कर रहे हैं। रेयर अर्थ और चिप मेकिंग में भारत समेत दूसरे देश कोशिश कर रहे हैं, जिसमें और मेहनत व निवेश की जरूरत है।

बिहार की राजनीति में जाति अब भी हावी लेकिन महिलाएं बन रहीं निर्णायक वोटर

पंकज कुमार
जामिया मिल्लिया इस्लामिया के रिसर्च स्कॉलर

बिहार की राजनीति में जाति अब भी सबसे बड़ा मुद्दा है। चुनावी समीकरण से लेकर नेतृत्व तक, इसका असर हर जगह दिखता है। डिजिटल युग में भी सोशल मीडिया अभियानों और माइक्रो-टार्गेटेड संदेशों के ज़रिये जाति ने अपना दबदबा बनाए रखा है।

डिजिटल युग में नए तरीके के जातीय उपकरण अपना लिए हैं। सोशल मीडिया अभियानों से लेकर माइक्रो-टार्गेटेड चुनावी संदेश तक जाति एक अहम मुद्दा है. राजनीतिक दल विकास के एजेंडे को चाहे जितना भी जोर देकर प्रचार-प्रसार करें, अंततः उन्हें जातिगत पहचान की ही गणित पर लौटना पड़ता है। यही कारण है कि जाति का असर पहले से कहीं अधिक मजबूत और निर्णायक दिखाई देता है। राजद और जद(यू) जैसी पुरानी पार्टियों से लेकर जन सुराज जैसे नए राजनीतिक दलों तक, किसी भी दल की राजनीति जातीय समीकरण से अलग नहीं हो सकती। 2023 के जातिगत सर्वेक्षण ने यह ज़रूर साफ किया कि किस जाति की संख्या कितनी है, लेकिन इससे जातिगत प्रतिनिधित्व का संतुलन खास नहीं बदला। बड़ी जातियों के परे छोटी और बिखरी जातियों की हिस्सेदारी का सवाल अब भी अधूरा है, कई जातीय समुदाय आज भी राजनीतिक हाशिए पर खड़े हैं। यही वजह है कि 2025 का विधानसभा चुनाव, जो इन सर्वेक्षणों के बाद पहली बार हो रहा है, जिसमें जातिगत समीकरणों की परीक्षा के साथ-साथ नए सवाल भी खड़ा कर रहा है। दलों के बीच प्रतिस्पर्धा चाहे विकास के नाम पर भले दिख रही हो, पर असल टकराव जाति और उसके साथ जुड़े सम्मान व हिस्सेदारी को लेकर ही है। छोटी और बिखरी जातियों ने राजनीतिक चेतना को बढ़ाया है और अपने प्रतिनिधित्व की तलाश में नए व जटिल राजनीतिक समीकरण खोज रही हैं।

डिजिटल युग में भी जाति का दबदबा: इन जटिल जातिगत सच्चाइयों को सबसे अधिक समझदारी से साधने का प्रयास नीतीश कुमार ने किया है। उन्होंने अपने लंबे कार्यकाल में लगातार 'इंद्रधनुषी गठबंधन' का सिद्धांत अपनाया। नीतीश कुमार ने कुर्मी, कोइरी, अति पिछड़े समूह, महादलित, उच्च जातियां और सबसे बढ़कर महिला मतदाता, सभी को एक साझा मंच पर लाने की कोशिश की और उन्हें लाभार्थी वर्ग के रूप में सशक्त किया और वोटर के रूप में सफलता भी पाई। यही दृष्टि उन्हें बाकी नेताओं से अलग करती है। नीतीश कुमार ने यह स्वीकार किया कि बिहार में महिलाएं राजनीतिक रूप से सचेत हैं और परिवारों में निर्णयकारी प्रभाव रखती हैं, जबकि अन्य नेताओं ने इन वर्गों को वोटर के रूप में नहीं पहचान पाए। इसी समझ से निकलकर आईं उनकी लक्षित योजनाएं जैसे साइकिल योजना, कन्या उत्थान योजना, स्वास्थ्य व शिक्षा में विशेष पहुंच और सबसे विवादास्पद पर सबसे प्रभावकारी शराबबंदी नीति। हाल ही में विधानसभा चुनाव 2025 से पहले सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक नई योजना की शुरुआत की है जिसका नाम 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' है, को मंजूरी दी, जो महिलाओं को कारोबार शुरू करने के लिए आर्थिक मदद देगी। इस योजना के तहत राज्य के हर परिवार की एक महिला को पहली किस्त के तौर पर 10,000 रुपए दिए जाएंगे।

महिला मतदाता राजनीति का स्तंभ: मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में नीतीश कुमार की बढ़त इसी संयोजन से आती है। एक ओर जातिगत गठबंधन का संतुलन और दूसरी ओर महिला मतदाताओं को निर्णायक राजनीतिक वर्ग के रूप में साधना। ईमानदारी और प्रशासनिक स्थिरता की उनकी सार्वजनिक छवि विशेष रूप से महिलाओं के बीच गूंजती है, जिससे उनके समर्थन की एक परत और मजबूत हो जाती है। दूसरे दल यहीं कमजोर दिखाई पड़ते हैं, जैसे-जैसे बिहार 2025 के चुनावों की ओर बढ़ रहा है, एक बात साफ है कि सत्ता की चाबी उन्हीं के पास है जो जाति और जेंडर दोनों को समान रूप से समझकर उन्हें अपने साथ जोड़ पाएंगे। जाति अब भी प्रतिनिधित्व और सत्ता तक पहुंच का बड़ा सवाल है, लेकिन महिला मतदाता उस ढांचे के भीतर एक नई ऊर्जा और संतुलन का काम करने लगी हैं। नीतीश के प्रयोगों ने दिखाया है कि महिलाएं जातिगत विभाजनों से ऊपर उठकर मतदान कर सकती हैं और सशक्त लोकतांत्रिक शक्ति बन सकती हैं। अंततः, बिहार की राजनीति में जाति अब भी निर्णायक है, लेकिन महिला मतदाता ने इस गणित को बदलना शुरू कर दिया है। नीतीश कुमार ने इसे समय रहते समझा और 'महिलाङ्कअति पिछड़ा गठबंधन' के ज़रिये राजनीति को नई दिशा दी। आने वाले चुनाव इस बात पर तय होंगे कि कौन-सा दल इस नई ताकत को साध पाता है। नीतीश कुमार ने इस परिवर्तन को समय रहते भांपकर ÷महिला और अति पिछड़ा÷ गठबंधन के ज़रिये राजनीतिक समीकरण को नई दिशा दी है। आने वाले वर्षों में राजनीतिक सफलता केवल जातिगत गणित से तय नहीं होगी, बल्कि इस पर निर्भर करेगी कि दल किन हद तक महिलाओं और अति पिछड़े वर्गों की आकांक्षाओं को साध पाते हैं। यही गठबंधन चुनावी नतीजों को पलटेगा और दीर्घकालीन स्थिरता व सामाजिक परिवर्तन का आधार बनेगा। नीतीश की राजनीति की सबसे बड़ी उपलब्धि यही कही जाएगी कि उन्होंने मंडल-युगीन जातिगत गठबंधनों से आगे जाकर महिलाओं को बिहार की निर्णायक लोकतांत्रिक शक्ति बना दिया। अब क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की असली परीक्षा यह होगी कि वे इस नई वास्तविकता को स्वीकार कर सकें और उसे अपनी नीतियों व रणनीतियों में जगह दें। जो नेतृत्व इस महिला और अतिपिछड़े समूहों को साधने में सफल होगा, वही आने वाले समय में बिहार की राजनीति की दिशा तय करेगा।

क्या डोनाल्ड ट्रंप नोबेल पुरस्कार में मात के बाद भी शांति दूत बने रहेंगे?

ऋतुपर्ण दवे
स्वतंत्र टिप्पणीकार

बड़बोले डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल पुरस्कार नहीं मिला। अपने मुंह मियां मिट्ठू बनने वाले ट्रंप हाथ मलते रह गए। शांति के नोबेल के लिए चंद देशों से खुद को नामित कराने वाले अड़ीबाज अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रप के मुकाबले बेहद कम चर्चित और दुनिया में अलग पहचान रखने वाली एक महिला को मिलना शायद ट्रंप को उनकी असलियत या औकात बताने को काफी है। वैसे भी हर पुरस्कार के लिए नियम होते हैं, लंबी फेहरिस्त होती है और कारण होते हैं। ट्रंप कहीं से भी इसमें फिट नहीं बैठते थे। लेकिन उन्हें अमेरिका का राष्ट्रपति होने का गुमान था। इसीलिए वो यह जानते हुए भी कि पुरस्कार के लिए नामित होने और औपचारिकताओं के पूरा करने की प्रक्रिया को भी शायद अपनी धौंस से धता बताने की जुगाड़ में थे, जो हो न सका। यह भी सच है कि शायद यह पहला मौका होगा जब पुरस्कार मिलने वाले के नाम की चर्चा के बजाए न मिलने वाले का नाम और उसका रंज सुर्खियों में है।

अब ट्रंप भले ही लगातार अपना दावा जता रहे हों और कहते फिर रहे हों कि कि अमेरिका में जिन भी लोगों को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया, वो ज्यादातर विवादित ही रहे। ट्रंप भला क्या कम विवादित हैं? अमेरिका के राष्ट्रपति बनाम वहां के बड़े बिजनेसमैन डोनाल्ड ट्रंप इस बार सत्ता में आने के साथ ही खुद को शांति का स्वयं-भू मसीहा बताते नहीं अघाते हैं। वो भारत-पाकिस्तान, रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास जंग समेत आठ युद्धविराम या समझौते कराने का दावा करते हैं। जबकि दुनिया हकीकत जानती है कि इन सभी जगहों पर अभी कितनी शांति है? इस बार का नोबेल शांति पुरस्कार नॉर्वेनियन नोबेल कमेटी ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को देना तय किया। नोबेल समिति के अध्यक्ष यॉर्गन वाटने फ्रिडनेस ने मारिया कोरिना मचाडो को एक ऐसी प्रमुख और एकजुट करने वाली शख्सियत बताया जिन्होंने पहले गहरे विभाजित विपक्ष को एकजुट किया फिर स्वतंत्र चुनावों और प्रतिनिधि सरकार की मांग में समान आधार स्थापित करने का कठिन काम किया। अपने प्रयासों की कामियाबी के लिए मारिया कोरिना मचाडो को छिपकर रहने पर भी मजबूर होना पड़ा। लेकिन जान को गंभीर खतरों के बावजूद उन्होंने अपना देश नहीं छो?ा और दुनिया भर में शांति के पक्षधर लाखों लोगों का प्रेरित किया। मारिया का मानना है कि जब सत्तावादी लोग सत्ता हथिया लेते हैं, तो स्वतंत्रता के ऐसे साहसी रक्षकों को पहचानना जरूरी है जो उठ खड़े हों और विरोध करें। लोकतंत्र उन्हीं लोगों पर निर्भर करता है जो चुप रहने के बजाए गंभीर जोखिमों के बावजूद आगे बढ़ते रहने का दुस्साहस करते हैं। यह याद दिलाता है कि स्वतंत्रता को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए, बल्कि हमेशा उसकी रक्षा करनी चाहिए। इसके लिए दृढ़ इच्छा शक्ति और शब्दों के सामर्थ्य का इस्तेमाल जरूरी है। ट्रम्प भले ही दुनिया का दारोगा कहलाएं लेकिन उन्हें मारिया के सिध्दांतों और धारणाओं से काफी कुछ सीखने की जरूरत है।

यह सही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में तो शुरुआत से ही शांति के नोबेल पुरस्कार का सपना संजोए बैठे थे। उनका हर मंच पर दावा कि उन्होंने ही आठ युद्ध रुकवाए हैं यही बताता है। पूर्व राष्ट्रपति ओबामा की आलोचना करना और कहना कि बिना किसी कारण के उन्हें नोबेल मिला मैंने तो 8-8 युद्ध रुकवाए अहंकार नहीं तो क्या है? लेकिन वो भूल गए कि उनके दावे नोबेल शांति पुरस्कार के नामांकन की समय-सीमा के बाद के हैं। ऐसे में संभव है कि यह उनकी चालाकी हो और अगले साल के अपने दावे को पुख्ता करने की रणनीति हो! दुनिया जानती है कि ट्रम्प कहते कुछ हैं, करते कुछ हैं। कहा तो यह तक जाने लगा है कि ट्रंप को यह भी नहीं पता अगले पल वो क्या कर बैठें, बहरहाल यह उनका अपना मामला है वो जाने। हां, नोबेल कमेटी की निना ग्रेगर ने यह जरूर कहा कि नोबेल के फैसले पर गाजा सीजफायर का असर नहीं होगा, लेकिन अगर यह शांति स्थायी रही, तो अगले साल ट्रंप की दावेदारी मजबूत हो सकती है। वहीं, नोबेल कमेटी के अध्यक्ष जोएर्गन वाटने फ्राइडनेस ने कहा कि पुरस्कार पर फैसला काम के आधार पर किया जाता है। अब ऐसा भी नहीं है कि अमेरिका जैसे देश सशक्त देश के राष्ट्रपति को इतना भी भान न हो? अब एक पुराना और चौंकाने वाला वाकया सुर्खियों में है। जब एडॉल्फ हिटलर को शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करने की कोशिश हुई। इससे हर कोई असहज हुआ होगा। उनके क्रूर होने के किस्से-कहानियां इतिहास की किताबों में दर्ज है। क्या उनका नाम कभी प्रस्तावित हुआ?

पुरस्कार भौतिकी, रसायन विज्ञान, चिकित्सा या शरीर क्रिया विज्ञान, साहित्य, शांति और आर्थिक विज्ञान क्षेत्र में दिए जाते हैं। शांति पुरस्कार ऐसा अकेला है जिसका फैसला नॉर्वे की संसद की तरफ से चुने गए पांच सदस्यों की एक समिति की करती है। समिति ओस्लो में है पुरुस्कार वहीं देते हैं। इसमें एक डिप्लोमा, सोने का मेडल और 11 मिलियन स्वीडिश मुद्रा (10.36 करोड़ रुपये) दी जाती है। नियमानुसार पुरस्कार देने और न देने की वजह अगले 50 साल तक नहीं बताई जाती है। काश ट्रंप इतना इंतजार कर पाते? फिलहाल यह देखना होगा कि तिलमिलाए ट्रंप आगे भी शांति दूत बने रहेंगे या दुनिया की शांति हरेंगे, क्योंकि उनकी खीझ, खिसियाहट, टैरिफ वार और बॉडी लैंग्वेज कुछ और ही इशारा कर रही है?

सुविचार

गंभीरता का गुण धारण कर लो तो व्यर्थ टकराव से बच जायेंगे।
-अज्ञात

निशाना

अधिक शोर और धुंआ न हो..!

नीतिराज 'नीति'

लो आ गया दीपावली पर्व,
हम सब दीप जलाएंगे,
खुशियां बिखरेंगी चहुं ओर,
पावन पर्व मनाएंगे,
मिठाई का वितरण होगा,
नए कपड़े भी लायेंगे,
बच्चे बूढ़े सब खुश होंगे,
घर रोशनी से जगमगाएंगे,
उत्सव हर्ष के वातावरण में,
प्रदूषण का भी ध्यान रखें,
अधिक शोर और धुंआ न हो
कम बारूद जलाएंगे,
जहां सांस हम लेते आए,
उस वायु को स्वच्छ रखो,
कौन क्या करता है छोड़ो,
शुरुआत खुद से करो,
बच्चो को भी शिक्षा दो और,
जनता को जागरूक करो,
वातावरण स्वच्छ रखो और,
अपना दायित्व पूर्ण करो।

यूजर टिप्स

फोन की बैटरी की लाइफ उसे चार्ज करने की आदत से जुड़ी है

फोन यूज करने वाले ज्यादातर लोग इसे तभी चार्ज लगाते हैं, जब यह 10% से नीचे आ जाता है या करीब-करीब स्विच ऑफ होने वाला होता है। लेकिन यह तरीका पूरी तरह गलत है, फोन के 0% तक जाने का वेट नहीं करना चाहिए, जब यह पूरी तरह डिस्चार्ज होकर स्विच ऑफ होता है तो डिवाइस की बैटरी को नुकसान पहुंच सकता है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि फोन की बैटरी कितने परसेंट पर चली जाए तो उसे चार्ज करना चाहिए। इस बार में एक्सपर्ट्स ने भी अपने विचार रखे हैं और बताया है कि फोन को कितने परसेंट होने पर चार्ज में लगाना चाहिए और कितने परसेंट हो जाने पर चार्जिंग से हटा लेना चाहिए।

0% तक डिस्चार्ज नहीं करना चाहिए: ज्यादातर स्मार्टफोन्स में आजकल लिथियम-आयन बैटरी का इस्तेमाल होता है। यह बैटरी हल्की और टिकाऊ होती है, लेकिन इसे सही तरीके से इस्तेमाल न करने पर इसकी लाइफ कम हो सकती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, फोन की बैटरी को कभी भी पूरी तरह से 0% तक डिस्चार्ज नहीं करना चाहिए। ऐसा होने पर बैटरी पर दबाव पड़ता है और यह धीरे-धीरे खराब होने लगती है।

कब चार्ज कर लेना चाहिए?: न्यू जर्सी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर दिबाकर दत्ता ने बताया कि आप बैटरी को यूज करते-करते 0% पर पहुंचा देते हैं तो इससे उसे नुकसान पहुंचता है। इसका सीधा असर बैटरी को चार्ज रखने वाली पावर को होता है, उसे नुकसान पहुंचता है। एक्सपर्ट कहते हैं कि फोन की बैटरी जैसे ही 20त्न पर आ जाए, इसे चार्ज में लगा देना चाहिए।

बैटरी को कब तक चार्ज करें: कुछ लोगों का यह सवाल भी होता है कि क्या बैटरी को 100% चार्ज करना चाहिए? इसका जवाब है कि फोन की बैटरी कभी भी 100% चार्ज ना करें। स्टेट यूनिवर्सिटी के इलेक्ट्रोकेमिकल इंजन सेंटर के डायरेक्टर चाओ-यांग वांग कहते हैं कि अगर आदतन फोन को 100% चार्ज करते हैं, तो बैटरी की लाइफ कम होने लगती है। दरअसल, फूल चार्ज बैटरी में ज्यादा वोल्टेज रहता है, जिससे बैटरी में केमिकल बदलाव देखने को मिलते हैं और यह कमजोर होती है। यदि आप अपने फोन को 90% तक चार्ज करते हैं, तो बैटरी 10-15त्न ज्यादा टाइम तक चल सकती है।

मनी टॉक

लिक्विड म्यूचुअल फंड निकलने में नहीं लगेगा वक्त, सीधे खाते में आएगा पैसा

आप यदि बैंक एफडी में निवेश करते हैं और उसे तोड़ते हैं तो जैसे ही इसे खत्म किया, पैसा आपके खाते में। लेकिन म्यूचुअल फंड में ऐसा नहीं हो पाता है। इसका पैसा आपके खाते में आने में एक से दो दिन लग ही जाते हैं। लेकिन अब इस दिशा में नया हुआ है जिसमें तत्काल रिडेम्पशन की सुविधा मिलेगी।

म्यूचुअल फंड रिडेम्पशन में पैसा आपके खाते में तत्काल आए तो कैसा हो? ऐसा ही कुछ होने वाला है। फिनटेक कंपनी क्यूरी मनी (Curie Mone4) ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी के साथ हाथ मिलाया है। इस साझेदारी के बाद भारत में अपनी तरह का पहला अनुभव पेश करने का दावा किया गया है। इनका कहना है कि अब एक ही सीमलेस सॉल्यूशन में लिक्विड फंड, तत्काल रिडेम्पशन और यूपीआई का साथ मिलेगा। यदि ऐसा हुआ तो यह रिटेल इन्वेस्टर्स को बिना किसी लॉक-इन या जुर्माने के पैसा मिलेगा।

इस समय लिक्विड म्यूचुअल फंड , स्थिर रिटर्न चाहने वाले निवेशकों के लिए तेजी से पसंदीदा विकल्प उभर रहे हैं। ये फंड, जो डेट म्यूचुअल फंड की एक श्रेणी है, इक्विटी बाजार की अस्थिरता से अपेक्षाकृत सुरक्षित हैं। ये मुख्य रूप से सरकारी बॉन्ड, प्रतिभूतियों और ट्रेजरी बिलों में निवेश करते हैं, जिससे कम जोखिम और स्थिर विकास के अवसर मिलते हैं।

क्या मिलता है फायदा: इसमें तत्काल रिडेम्पशन की सुविधा है। इसने निवेशकों के पैसे तक पहुंचने के तरीके को पहले ही बदल दिया है। अब वे कुछ ही सेकंड में सीधे अपने बैंक खाते में पैसे निकाल सकते हैं, जबकि म्यूचुअल फंड के परंपरागत रिडेम्पशन में एक या दो वर्किंग डे तो लग ही जाते हैं। वर्तमान में,

निवेशक अपनी निवेशित राशि का 90% तक तुरंत रिडीम कर सकते हैं, जिसकी अधिकतम सीमा प्रतिदिन 50,000 रुपये है।

निवेशकों को क्या मिलेगा: यहां जारी एक बयान के मुताबिक इस साझेदारी के माध्यम से, क्यूरी मनी ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी के लिक्विड फंड को तत्काल रिडेम्पशन और यूपीआई कार्यक्षमता के साथ जोड़ दिया है। निवेशक अब आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल के लिक्विड फंड में अपने पैसे को लगातार बढ़ा सकते हैं और तुरंत यूपीआई भुगतान के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं जो वास्तविक समय में बचत और खर्च के बीच के अंतर को पाटता है। बताया जा रहा है कि क्यूरी मनी और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी के बीच सहयोग भारत के डिजिटल फंड मेनेजमेंट में एक महत्वपूर्ण कदम है - जो विकास, तरलता और पहुंच को पहले की तरह एक साथ लाएगा।

प्रकृति

छत या दीवार में उग आए पीपल के पौधे को हटा सकते हैं, अपनाएं घरेलू तरीका

पीपल का पौधा अपनी मजबूत और गहरी जड़ों के लिए जाना जाता है। जब यह पौधा छत, बालकनी की दीवार, या दरारों में उग आता है, तो इसे नजरअंदाज करना या गलत तरीके से हटाना खतरनाक साबित हो सकता है। गलत तरीके से खींचने पर दीवार में दरारें और बड़ी हो जाती हैं। वहीं मान्यता है कि पीपल में कई शक्तियां विराजमान हैं, इसलिए पीपल का पौधा हटाने का तरीका भी सही होना चाहिए। ऐसे में यूट्यूबर अग्नि राठौड़ ने एक ऐसा प्राकृतिक और सरल उपाय बताया है जिससे पौधा बिना किसी नुकसान के जड़ से सूख जाता है।

सबसे पहले बनाएं एक पेस्ट: पीपल के पौधे को जड़ से सुखाने के लिए केमिकल की जगह घरेलू और प्राकृतिक पेस्ट का उपयोग करना है। यह पेस्ट पौधे की जड़ों तक पोषण पहुंचने से रोक देता है, जिससे वह धीरे-धीरे सूख जाता है। आपको केवल हींग का पाउडर और नमक की जरूरत की होगी। लगभग एक किलो नमक और आवश्यकतानुसार हींग का पाउडर मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें।

जड़ के पास तने में छेद करना : पेस्ट को सीधे तने पर लगाने से बेहतर है कि उसे पौधे के अंदर तक पहुंचाया जाए। पेस्ट लगाने के लिए, पौधे की जड़ के ठीक पास, तने में एक या दो जगह छेद करना जरूरी है। आप किसी ड्रिल मशीन या मजबूत नुकीले औजार की मदद से तने में छेद करें। ध्यान रखें कि छेद इतना गहरा हो कि वह तने के भीतरी हिस्से तक पहुंच जाए, लेकिन आसपास की दीवार को नुकसान न पहुंचे। तैयार किए गए पेस्ट को छेद में भरना सबसे जरूरी कदम है, क्योंकि यही पौधे को सुखाने का काम करेगा। तो पेस्ट को सावधानी से भर दें। दरअसल नमक और हींग का मिश्रण धीरे-धीरे जड़ प्रणाली में प्रवेश करेगा। नमक पौधे की जड़ों के लिए एक प्राकृतिक अवरोधक का काम करता है, जो जड़ों की पानी और पोषण को खींचने की क्षमता को खत्म कर देता है। ध्यान रहे कि पेस्ट को केवल तने पर बाहर से न लगाएं, छेद के जरिए पौधे के अंदरूनी टिशू तक पहुंचे।

पौधे को पॉलीथीन से लपेटना: पेस्ट लगाने के बाद, पौधे को बाहरी वातावरण से अलग करना जरूरी है ताकि वह ऊपर से किसी भी प्रकार का पोषण या नमी न ले पाए और सूखने की प्रोसेस तेज हो। तो आप छेद में पेस्ट भरने के बाद पौधे के तने के उस हिस्से को पॉलीथीन या प्लास्टिक की चादर से कसकर लपेट दें। ये पेस्ट को घुलने से बचाती है और पत्तियों को बाहरी वातावरण से पोषण, नमी या धूप लेने से रोकती है।

धैर्य रखें और सावधानी से हटाएं: पौधे को पूरी तरह सूखने में कुछ दिन से लेकर एक-दो सप्ताह का समय लग सकता है। इस दौरान धैर्य रखना होगा। जब देखें कि पौधा पूरी तरह से सूख गया है और उसकी पत्तियां गिर गई हैं, तो सूखे हुए तने को सावधानी से काट सकते हैं। इसे जोर से खींचने के बजाय काट दें और जड़ वाले हिस्से को भी जितना संभव हो, आसानी से हटा दें। अब बची हुई जगह को सीमेंट या प्लास्टर से अच्छी तरह से बंद कर दें, ताकि दोबारा नमी जमा न हो सके।

गरूड़ दल की कार्रवाई: प्रारंभिक जांच में अमानक पाये जाने पर कराई गई विनिष्टिकरण की कार्रवाई

श्रीधाम एक्सप्रेस से आगरा से आया 400 किलो मावा जब्त कर कराया नष्ट

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत आज राँझी एसडीएम के नेतृत्व में गठित गरुड़ दल की कार्रवाई में रेलवे स्टेशन से 400 किलो खोवा जप्त किया गया। जप्त किये गये खोवे को प्रारंभिक जाँच में अमानक पाये पर नगर निगम के माध्यम से नष्ट करा दिया गया है। सुबह करीब 9.30 बजे से शाम लगभग 4 बजे तक चली यह कार्यवाही तहसीलदार राँझी जानकी उइके के नेतृत्व में की गई।

तहसीलदार राँझी जानकी उइके ने बताया कि जप्त किया गया खोवा आगरा से श्रीधाम एक्सप्रेस द्वारा जबलपुर भेजा गया था। जीआरपी से मिली सूचना पर गरुड़ दल द्वारा इसके पहले की कोई इसे लेने आता फौरन कार्यवाही कर सात बोरियों में भरकर आये इस खोवे को जप्त कर लिया गया। उन्होंने बताया कि गरुड़ दल में शामिल खाद्य सुरक्षा अधिकारी सारिका दीक्षित द्वारा प्रत्येक बोरी से अलग-अलग नमूने लिये गये और प्रारंभिक परीक्षण में सभी में स्टार्च की मात्रा अधिक पाई गई। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक परीक्षण के अलावा विस्तृत पैमानों पर परीक्षण के लिये भी नमूने लेकर राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे जा रहे हैं। तहसीलदार राँझी जानकी उइके के अनुसार रेलवे स्टेशन से जप्त किया गया खोवा आगरा केंट से दीवान सिंह द्वारा सिहोरा के खोवा व्यापारी अतुल गुप्ता को भेजा गया था। जप्त खोवा के विनिष्टिकरण की कार्यवाही के दौरान शाम अतुल गुप्ता पहुँच गये थे। विनिष्टिकरण की कार्यवाही उनके सामने की गई। उन्होंने बताया कि खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर की जा रही कार्यवाही के तहत रेलवे के संबंधित अधिकारियों एवं जीआरपी को पहले ही बता दिया गया था कि यदि बाहर से संदिग्ध खोवा आता है तो इसकी सूचना जिला प्रशासन को तुरंत दी जाये। रेलवे स्टेशन पर खोवा जप्त करने की इस कार्यवाही में जीआरपी थाना प्रभारी एवं रेलवे की पार्सल सेवा के अधिकारी भी शामिल थे।।

दुकानों से लिए मावा और मिठाईयों के नमूने

खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने जिले में चलाये जा रहे अभियान के तहत गरूड़ दलों ने आज सोमवार को दीनदयाल चौक स्थित आईएसबीटी एवं पनागर बस स्टैंड पर भी बसों की जांच की, लेकिन बसों में खोवा नहीं पाया गया। इसके अतिरिक्त मझौली स्थित भूरेलाल नेमा स्वीट्स एवं श्याम स्वीट्स से खोवा तथा अम्बे बीकानेर से बर्फी, कटंगी स्थित हेमंत स्वीट्स से खोवा और खोवे की बर्फी, अभिनंदन नमकीन से खोवा, वीरेन्द्र स्वीट्स से रसगुल्ला और कलाकंद, कंदराखेड़ा स्थित मंटा डेयरी से खोवा और पनीर एवं केशरवानी डेयरी से खोवा और घी के नमूने लिये गये। तिलवारा स्थित सांई स्वीट्स से 50 किलोग्राम दूषित खोवा तथा 30 किलोग्राम दूषित मिठाई विनिष्ट कराई गई। सांई स्वीट्स में अस्वास्थकर स्थिति एवं कीटो से दूषित खोवा एवं मिठाईयों का संग्रहण पाये जाने पर इसका खाद्य पंजीयन निलंबित कर दिया गया है। तिलवारा में ही रामजी स्वीट्स से मिल्क केक तथा बीकानेर मिष्ठान भंडार से कलाकंद के नमूने लिये गये। इसी प्रकार कन्दरखेड़ा स्थित केशरवानी डेयरी में मक्खियां पाई जाने पर 165 किलो दही विनिष्ट करा दिया गया है।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा को लेकर बैठक में दिए दिशा-निर्देश

सरकार की योजनाओं का हो प्रभावी क्रियान्वयन लोगों की समस्याओं का निराकरण करें – कलेक्टर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं, लंबित प्रकरणों और जनहित से जुड़ी गतिविधियों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। कलेक्टर ने इस दौरान कहा कि शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा नागरिकों को मिलने वाली समस्याओं का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण समाधान प्राथमिकता से किया जाए।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई, सीपीग्राम, समाधान ऑनलाइन, न्यायालयों एवं आयोगों में लंबित प्रकरणों, जिले के अधिकारियों द्वारा स्कूल, छात्रावास,आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केंद्रों के निरीक्षण, ई-ऑफिस संचालन, समग्र ई-केवाईसी अभियान, भावांतर योजना की प्रगति, खाद वितरण, उपार्जन भुगतान तथा वर्षा पश्चात सड़कों की मरम्मत जैसी गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि भावांतर योजना की जानकारी किसानों तक प्रभावी रूप से पहुंचे। कंट्रोल रूम से किसानों को योजना के तहत पंजीयन, भुगतान और प्रावधानों की संपूर्ण जानकारी दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के सोयाबीन उत्पादक किसानों का शीघ्र पंजीयन पूरा किया जाए और किसानों की शंकाओं का समाधान तुरंत किया जाए।वही

खाद वितरण और निगरानी की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम खाद आपूर्ति पर निरंतर नजर रखें, सतत निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी अमानक या नकली खाद का भंडारण एवं विक्रय न हो। निजी संस्थाओं द्वारा बेचे जा रहे खाद के मूल्य पर भी नियंत्रण रखें ताकि किसानों को सही दर पर खाद उपलब्ध हो सके।

कलेक्टर ने कहा कि नागरिकों की शिकायतों का निराकरण गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि कोई भी विभाग डी ग्रेड में न रहे और एक सप्ताह के भीतर अपनी ग्रेडिंग सुधारते हुए ए ग्रेड प्राप्त करे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की कोई भी शिकायत अनअटेंडेड न रहे और कार्यवाही की जानकारी पोर्टल पर दर्ज की जाए। सिवनी मालवा तहसील की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यदि शिकायतों के निराकरण में सुधार नहीं हुआ तो नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।कलेक्टर ने कहा कि सभी सीएमओ 50 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों पर विशेष ध्यान दें, जबकि जनसुनवाई के तहत प्राप्त 1 वर्ष से पुरानी कोई भी शिकायत पेंडिंग न रखी जाए।

निरीक्षण पर जोर दिया

शासकीय संस्थानों के निरीक्षण संबंधी समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने क्षेत्र के स्कूलों, छात्रावासों, आंगनवाड़ी केंद्रों और स्वास्थ्य संस्थाओं का नियमित निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों की जानकारी जिला अधिकारी को दें और पुनः निरीक्षण में सुधार की स्थिति की पुष्टि करें।

ई-ऑफिस को लागू करें

कलेक्टर ने कहा कि जिला और तहसील स्तरीय सभी शासकीय कार्यालयों की कार्यवाही ई-ऑफिस प्रणाली से ही संपादित की जाए। उन्होंने बताया कि कुछ कार्यालयों में अभी भी ई-ऑफिस का पूर्ण उपयोग नहीं हो रहा है, जो लापरवाही है। सभी विभागाध्यक्ष यह सुनिश्चित करें कि फाइल संचालन केवल ई-ऑफिस के माध्यम से ही किया जाए। सड़क मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण करें बैठक के दौरान सड़क विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि चिन्हित मुख्य मार्गों पर कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि आवागमन सुगम हो और नागरिकों को असुविधा न हो।

कंटेनर और ट्राला सामने से टकराए, दो घायल

मंडला। जिले के बिछिया थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर मेढ़ाताल पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार कंटेनर और ट्राला सामने से टकरा गए। इस दुर्घटना में कंटेनर के ड्राइवर और क्लीनर गंभीर रूप से घायल हो गए। बिछिया पुलिस के अनुसार, जबलपुर की ओर से आ रहे ट्राला क्रमांक एमएच 46 एआर 9001 की सामने से आ रहे कंटेनर से टक्कर हुई। इस टक्कर में कंटेनर के ड्राइवर की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही बिछिया पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल ड्राइवर को जिला अस्पताल रेफर किया गया।हादसे के बाद कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात बाधित रहा। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे कर यातायात सामान्य कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अब बाजार में मिलेंगे मिट्टी के दीये

सिरोंज। इस दिवाली पर आपके घर की रोशनी आत्मनिर्भर भारत के सपनों के प्रकाश से साकार हो सकतीी है। इसके लिए सिरोंज के 15 गांवों के महिला समूह जी-जान से जुटे है। इन महिला समूहों द्वारा इस बार गोबर के दीपक बनाने की योजना तैयार कर इस पर अमल भी शुरू कर दिया है। महिलाओं द्वारा सामूहिक रूप से एकत्रित होकर गोबर के दिए बनाए जा रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण और गौसंरक्षण के लिहाज से ये दिए काफी महत्वपूर्ण बताए जा रहे है। जय दुर्गे समूह चौड़ाखेड़ी और प्रभा समूह पामाखेड़ी की सदस्य रामसुखी बाई, रमकोबाई, क्रांति पाल और राममणि ने बताया कि आत्मनिर्भर भारत के लिए हमें दिए बनाने का प्रशिक्षण दिया गया है। इसके बाद हमने इस बार दिवाली के लिए इन दियों को बनाना भी शुरू कर दिया है। इसी सप्ताह बाजार में ये दिए दिखाई देंगे। भोजपुर की ज्योति जाटव ने बताया कि दिये बनाने की विधि काफी आसान है। इसके लिए मशीन और सांचे भी उपलब्ध हैं। इसके लिए गोबर के अलावा मुल्तानी मिट्टी और लकड़ी का बुरायदा जरूरी होता है। आटे की तरह की इसे गुंथा जाता है और फिर सांचे में ढाल दिया जाता है। इसके बाद इन पर कलर भी होगा। उन्होंने बताया कि एक महिला प्रतिदिन 500 से 550 दिये आसानी से बना रही है।

पुलिस वाहन चालकों के तबादले

नर्मदापुरम। जिले के थानों में लंबे समय से पदस्थ प्रधान आरक्षक-आरक्षकों (वाहन चालक)के तबादले हो गए है सोमवार को पुलिस अधीक्षक ने 24 पुलिस कर्मियों के तबादला आदेश जारी किए है। जारी तबादला सूची में पुलिसकर्मियों के नाम के साथ वाहन क्रमांक भी दर्ज है।उल्लेखनीय है कि प्रदेश के डीजीपी के आदेश पर पूर्व में नर्मदापुरम में बड़े फेरबदल किए गए थे।

विस्फोटक से दूसरी मंजिल पर लगी आग, लोगों में फैली दहशत

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

वार्ड तीन में एक मकान में अचानक से आग लग गई। आग इतनी तेज थी जिससे मोहल्ले में अफरा तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची दमकल ने बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया। नहीं तो आसपास के मकान भी इस आग की चपेट में आ जाते। जिससे एक बड़ी घटना घटित हो सकती थी। आग इतनी तेज थी कि आसपास के रहवासी समझ ही नहीं पाए कि अचानक से ऐसा कैसे हो गया। लोगों का कहना है कि मकान में विस्फोटक सामग्री रखी हुई थी। जिससे आग लगना बताया गया। आग की जानकारी लगने पर प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। आग किस कारण से लगी है। वहीं अब रहवासियों में दहशत का माहौल व्याप्त है क्योंकि नगर में रोज कहीं न कही घरों में विस्फोटक सामग्री से इस तरह आग लगने घटनाएं और धमाके हो रहे है। नागरिकों का कहना है कि ऐसे व्यापारियों पर कार्रवाई करना चाहिए जो घरों से विस्फोटक सामग्री का व्यापार कर रहे है। प्रशासन को सख्ती से जांच पड़ताल कर कार्रवाई करना चाहिए। जिससे रहवासी बस्ती घरों में पटाखे या अन्य विस्फोटक सामग्री न रख सकें। वहीं एक दिन पहले त्योंदा रोड पर एक पटाखा दुकान में आग लग थी जिसे बड़ी मुश्किल बुझाया गया था। यह दुकान भी रहवासी बस्ती में थी। इसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए सामग्री जब्त थी।

बस-कार टक्कर में एक की मौत, 10 घायल

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

बीती रात नर्मदापुरम पिपरिया स्टेट हाईवे पर बस ओर कार की भिड़ंत हो गई।इस सड़क हादसे में एक की मौत हो गई,वही अन्य लोग घायल हुए है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार रात 9-30 बजे माखननगर तहसील के पास शिवहरे सर्विस कंपनी की यात्री बस और एक कार आमने-सामने टकरा गई। बस नर्मदापुरम से पिपरिया की ओर जा रही थी,दोनों वाहनों की रफ्तार तेज थी, जिसके कारण टक्कर इतनी जोरदार हुई कि दोनों वाहनों का सामने का हिस्सा डैमेज हो गया।

टक्कर में कार का सामने का हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। जिसके कारण चालक ऋषभ चौहान केबिन में बुरी तरह फंस गया, करीब 45 मिनट तक वहीं तड़पता रहा। राहत और बचाव दल ने राहगीरों की मदद से उसे बाहर निकाला, लेकिन गंभीर चोटों के कारण अस्पताल पहुंचने के पहले ही उसने दम तोड़ दिया। सड़क हादसे में 10 लोग घायल हुए हैं। सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माखननगर में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को नर्मदापुरम जिला अस्पताल रेफर किया। फिलहाल सभी घायलों का इलाज जारी है मामले में पुलिस ने देर रात महेंद्र मालवीय की रिपोर्ट पर बस क्रमांक एमपी 05पी 0243के चालक के खिलाफ धारा 194बीएनएसएस तहत मामला दर्ज किया है। घटना की जानकारी मिलने पर सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह खुद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और घायलों से मुलाकात की। उन्होंने मरीजों का हालचाल लिया ।विधायक श्री सिंह ने अस्पताल प्रशासन को आवश्यक दवाएं और अन्य चिकित्सा सुविधाएं तुरंत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मेट्रो एंकर | किसानों को हैप्पी सीडर जैसे यंत्रों का उपयोग करने की सलाह दी

पराली प्रबंधन के साथ हाई टेक विधि से की जा रही मटर की बुआई का कृषि अधिकारियों ने अवलोकन कर किसानों को दी जानकारी

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

पाटन विकासखंड के ग्राम छितुरहा में युवा किसान अक्षय पटेल द्वारा पराली प्रबंधन के साथ की जा रही मटर की हाई टेक खेती का कृषि अधिकारियों ने आज सोमवार को अवलोकन किया।

उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन में बी टेक अक्षय पटेल द्वारा अपने खेत मे हैप्पी सीडर से मटर की बुवाई कराई जा रही है। हैप्पी सीडर से बुवाई में पराली जलाये की आवश्यकता नहीं होती और पर्यावरण को भी प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है। बताया कि हैप्पी सीडर में सीड ड्रिल के साथ रोटरी भी लगी होती है, इससे दो बार ट्रेक्टर चलाने की आवश्यकता नहीं होती और डीजल के साथ लागत में भी कमी आती है। उप संचालक कृषि के अनुसार अक्षय पटेल द्वारा मक्का की तुड़ाई के बाद हेरो का

प्रयोग किया जाता है। यह मक्के की पौध को छोटे छोटे टुकड़ों में बाँट देता है और सुपर सीडर चलने से रोटरी उन टुकडों को मिटटी में मिला देती है जो खाद का भी काम करता है। कृषक अक्षय पटेल द्वारा पराली प्रबंधन के साथ हाई टेक पद्धति से की जा रही मटर की खेती का अवलोकन करने छितुरहा पहुँचे कृषि अधिकारियों में अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पँकज श्रीवास्तव एवं क्षेत्रीय कृषि विकास अधिकारी हरीश बर्वे शामिल थे। इस दौरान अरविंद पटेल, मयंक पटेल, रामकृष्ण पटेल, कृष्ण ठाकुर, शिवकुमार, वीरेंद्र, भजनी चडार सहित बड़ी संख्या में किसान भाई उपस्थित रहे। अनुविभागीय कृषि अधिकारी डॉ इंदिरा त्रिपाठी ने किसानों से पराली ना जलाने की अपील की तथा सुपर सीडर, हैप्पी सीडर जैसे यंत्रों का उपयोग करने की सलाह दी।

रोजगार एवं स्वरोजगार मेला संपन्न, 159 विद्यार्थी लाभान्वित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशन में शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय नर्मदापुरम में सोमवार को आयोजित रोजगार एवं स्वरोजगार मेला सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी, म.प्र. तैराकी संघ अध्यक्ष पीयूष शर्मा, समाजसेवी लक्ष्मण सिंह बैस तथा अन्य जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सांसद श्री चौधरी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी दी तथा शासकीय योजनाओं से अवगत कराया। उन्होंने विभिन्न कंपनियों के स्टॉलों का निरीक्षण कर प्रतिनिधियों से चर्चा की। तैराकी संघ अध्यक्ष पीयूष शर्मा ने भी विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए स्वावलंबन की ओर अग्रसर होने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों द्वारा पात्र विद्यार्थियों को ऋण वितरण भी कराया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. कामिनी जैन ने मेले के महत्व पर प्रकाश डाला। जिला रोजगार अधिकारी डॉ. श्याम कुमार धुर्वे ने रोजगार योजनाओं की जानकारी दी।

मध्य प्रदेश के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व में अफ्रीकन चीते बसाने की तैयारियां शुरू

वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व (नौरादेही) में चौकड़ी भरेंगे नामीबियाई चीते

शशिकांत टिमोले, सागर

मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा वीरांगना रानी दुर्गावती (नौरादेही) टाइगर रिजर्व में अब अफ्रीकन चीते चौकड़ी भरेंगे। चीता प्रोजेक्ट की कमान संभाल रही नोडल एजेंसी एनटीसीए से हरी झंडी मिलने के बाद नौरादेही टाइगर रिजर्व प्रशासन ने नए मेहमानों के स्वागत और उन्हें बसाने लिए तैयारियां तेज कर दी है। नौरादेही टाइगर रिजर्व की खास बात यह है कि यह तीन जिलों में फैला है. विशाल जंगल, बड़े-बड़े घास के मैदान, भोजन के लिए पर्याप्त शाकाहारी जानवर यहां की पहचान है. वीरांगना रानी दुर्गावती (नौरादेही) टाइगर रिजर्व को अब चीतों के तीसरे घर के रूप में भी जाना जाएगा। डिप्टी डायरेक्टर डॉ. एए अंसारी ने बताया कि बीते मई माह में विशेषज्ञों के दल के दौरे के बाद दिए गए निर्देशों के आधार पर नौरादेही टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने चीतों को बसाने के लिए किए जाने वाले कामों के प्रस्ताव मंजूरी के लिए भेज दिए हैं। विशेषज्ञों के दल ने 3 दिनों तक टाइगर रिजर्व का दौरा करने के बाद चीतों को बसाने कुछ महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश टाइगर रिजर्व को जारी किए थे. उसी कड़ी में टाइगर रिजर्व ने तैयारियां तेज कर दी है। नौरादेही में 2026 में चीतों को बसाने की तैयारी चल रही है।

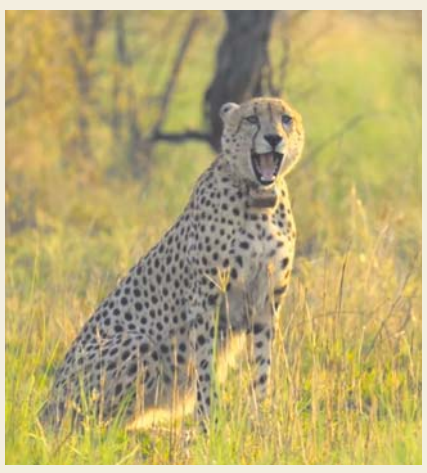

2010 में चयन

2010 में जब अफ्रीकन चीतों को भारत लाए जाने का फैसला किया गया था। तब मध्य प्रदेश के सबसे बड़े वन्य जीव अभ्यारण्य के रूप में जाने जाने वाले नौरादेही वन्यजीव अभ्यारण्य का सर्वे किया गया था। तभी तय हो गया था कि भविष्य में जब अफ्रीकन चीतों को भारत लाया जाएगा, तो उन्हें नौरादेही में भी बसाया जाएगा. इसी बात को ध्यान में रखते हुए नौरादेही को पहले राष्ट्रीय बाघ संरक्षण योजना में शामिल किया गया।

2022 में टाइगर रिजर्व का दर्जा मिला

2019 में नौरादेही में बाघ किशन और बाघिन राधा को छोड़ा गया. बाघ और बाघिन की आमद के बाद इधर बाघों की संख्या बढ़ने लगी. अक्टूबर 2022 में नौरादेही वन्यजीव अभ्यारण्य को टाइगर रिजर्व का दर्जा दे दिया गया. फिलहाल यहां पर बाघों की संख्या 23 पहुंच चुकी है और दूसरे वन्यप्राणियों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हो रहा है।

नौरादेही टाइगर रिजर्व ने भेजे प्रस्ताव

नौरादेही टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. एए अंसारी का कहना है कि जब यही टाइगर रिजर्व नौरादेही वन्य जीव अभ्यारण्य हुआ करता था. तब ही 2010 में इसका चीते के तीसरे घर के रूप में चयन किया गया था. उसी तारतम्य में हमने चीता प्रोजेक्ट की नोडल एजेंसी एनटीसीए को प्रस्ताव भेजे हैं. वहां से हमे जैसे निर्देश आएंगे, उसके अनुसार काम शुरू कर दिया जाएगा। संभावना है कि 2026 में नौरादेही टाइगर रिजर्व में चीते आएंगे।

निगमायुक्त खत्री ने बाघराज वार्ड स्थित छत्रसाल नगर कॉलोनी का किया निरीक्षण

गरीबों के लिए बनाए पक्के मकान निगमकर्मियों ने किराए पर दे रखे थे, दो कर्मचारी हुए सस्पेंड

ब्लाकों में बड़ी संख्या में किराए पर दिए गए आवास किए सील

सागर, दोपहर मेट्रो

जब सरकारी नुमाइंदे ही गरीबों के लिए बनाए गए आवासों पर कब्जा कर किराए पर देने लगे तो असमाजिक तत्वों का सक्रिय होना लाजमी है। ऐसा ही चौंकाने वाला मामला सामने आया है. दरअसल नगर निगम कमिश्नर को शिकायतें मिल रही थी कि बाघराज वार्ड स्थित छत्रसाल नगर कॉलोनी में गरीब परिवारों को बनाए गए पक्के आवासों पर अवैध रूप से कब्जा कर किराए पर दिए गए हैं। इन शिकायतों की जांच करने निगमायुक्त राजकुमार खत्री दल बल के साथ छत्रसाल नगर कॉलोनी पहुंच गए। जांच में नगर निगम के एक टेक्स कलेक्टर के पास 5 व एक सफाई दरोगा के पास एक आवास पाया गया,जिन्हें किराए पर दिया गया था। निगम आयुक्त ने दोनों कर्मचारियों को तत्काल सस्पेंड करने के निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार छत्रसाल नगर कॉलोनी में गरीबों को देने के लिए बनाए गए 1248 आवासों में अवैध रूप से कब्जा करने, आवासों को किराए पर देने व आवासों को अनाधिकृत रूप से विक्रय करने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने नगर निगम के अधिकारियों एवं पुलिस बल के साथ औचक निरीक्षण कर बड़ी कार्रवाई की। उन्होंने कालोनी के सभी ब्लाकों की जांच कर रहवासियों से चर्चा की तथा उनके आधिपत्य संबंधी दस्तावेजों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान नगर निगम के टैक्स कलेक्टर शिवकुमार प्यासी के ए-3 ब्लाक में 4 एवं बी-3 ब्लॉक में एक आवास कुल 5 आवास एवं सफाई दरोगा गोपाल रैकवार का एच- 23 ब्लाक में एक आवास पाया गया, उक्त आवासों को किराए पर दिये गए हैं। निगमायुक्त द्वारा दोनों कर्मचारियों को तत्काल निलंबित करने के निर्देश दिए. जांच के दौरान पाया गया कि सभी ब्लाकों में बड़ी संख्या में आवासों को किराए पर दिया गया है. निगमायुक्त द्वारा ऐसे सभी आवासों को सीलकर निगम का ताला लगवाकर दरवाजे पर अपात्र लिखवाकर उसे निगम के आधिपत्य में लेने की कार्रवाई कर आवंटन निरस्ती के निर्देश दिए।

किसी को किराया न दें यह निगम की सम्पत्तिः निगमायुक्त

निरीक्षण के दौरान दौरान निगमायुक्त ने कहा कि शासन द्वारा गरीब परिवारों को स्वयं का पक्का आवास उपलब्ध कराने के लिए बाघराज वार्ड में छत्रसाल नगर कालोनी बनाई गई थी, जिसमें अनाधिकृत व्यक्तियों ने कब्जा कर लिया है। कई व्यक्तियों ने आवास लेकर किराए पर दे दिये हैं तथा गलत तरीके से आवासों को बेच दिया है, ऐसे आवासों की जांच सतत् जारी रहेगी तथा आवंटन निरस्त कर उनके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जाएगी तथा आवासों में रहने वाले पात्रता रखने वाले किराएदारों को निर्धारित राशि जमा करने पर आवास आवंटन की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने एनाउंसमेंट कर सभी किराएदारों से कहा कि अब किसी भी व्यक्ति को किराए की राशि न दें, क्योंकि यह नगर निगम की संपत्ति है अगर किसी ने अवैध रूप से कब्जा किया है तो उसकी सूचना भी दें तो संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी । उन्होंने कहा कि शीघ्र ही नगर निगम द्वारा शिविर आयोजित किया जाएगा जिसमें संबंधित पात्रता रखने वाले किराएदार द्वारा राशि जमा करने पर आवास उपलब्ध कराया जाएगा। निगमायुक्त ने कहा कि शिविर में सभी रहवासियों द्वारा राशि जमा करने पर विद्युत कनेक्शन देने की कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि जो लोग यहां पर निवास कर रहे हैं वे संबंधित पुलिस थाना में भी सूचना दें। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एस एस बघेल, प्रभारी कार्यपालन यंत्री संजय तिवारी, उपमंत्री दिनकर शर्मा, महादेव सोनी,कृष्ण कुमार चैरसिया, आयुष शुक्ला, राजू रैकवार सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल उपलब्ध था।

लापरवाही पर रुकेगी दो-दो वेतन वृद्धि

सागर। कलेक्टर संदीप जी आर ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में ग्रेडिंग ठीक न करने वाले संबंधित विभाग अधिकारियों की दो-दो वेतन विधि रोकी जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अधिकारी सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का व्यक्तिगत समन्वय एवं संपर्क कर उनका निराकरण करें, आवश्यकता पड़ने पर संबंधित व्यक्तियों से दूरभाष पर या व्यक्तिगत संपर्क करें जिससे कि सीएम हेल्पलाइन प्रकरण का संतुष्टि पूर्ण निराकरण हो सके। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में जो भी प्रकरण आते हैं उनका समय सीमा में निराकरण हो जिससे कि संबंधित विभाग के साथ जिले की ग्रेडिंग ठीक रह सके। उन्होंने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक के वी, अपर कलेक्टर अविनाश रावत को निर्देश दिए कि वह प्रतिदिन सीएम हेल्पलाइन की विभागवार समीक्षा करें और संबंधित विभाग प्रमुख एवं शिकायतकर्ता को समक्ष में बुलाकर निराकरण कराएं।

आइस्क्रीम पार्लर में आग, सामान खाक

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव में देर शाम करीब 5 बजे बड़ा पुल के पास स्थित श्रीनाथ आइसक्रीम पार्लर और फलाहारी सेंटर में आग लग गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास किया और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। समय रहते आधे घंटे के भीतर आसपास की दुकानों को खाली करा लिया गया। आग से दुकान का अधिकांश सामान जल गया। फायर ब्रिगेड ने लगभग आधा घंटा में आग पर काबू पा लिया।आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। फिलहाल, पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

मंत्री ने पीएम को जल कलश किए भेंट

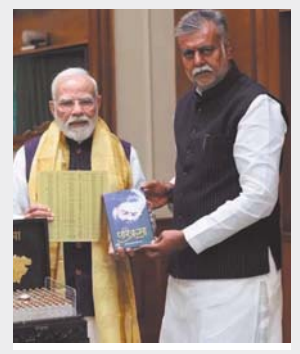

नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश के पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मंत्री पटेल ने पीएम को दो सालों में 108 नदियों के उद्गम की यात्रा के दौरान मध्य प्रदेश भर से संकलित किए गए 108 जल कलश भेंट किए। मंत्री पटेल ने अपनी नर्मदा परिक्रमाओं पर लिखी गई किताब परिक्रमा-कृपा सार भी प्रधानमंत्री मोदी को भेंट की। प्रहलाद पटेल ने बताया कि नर्मदा परिक्रमा से जुड़े अन्य प्रसंगों पर आधारित एक दूसरी किताब भी जल्दी प्रकाशित होगी।मंत्री प्रहलाद पटेल ने 2024 और 2025 में एमपी से निकलने वाली 108 नदियों के उद्गम स्थलों की यात्रा की। इस दौरान नदियों के उद्गम स्थलों से भरे गए जल कलशों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट करने के लिए मंत्री पटेल की आर्किटेक्ट बेटी फलित सिंह पटेल ने खुद एक बॉक्स तैयार कराया।

मासूम को ट्रैक्टर ने कुचला, मौत

सागर। रहली थाना क्षेत्र के सर्राखुर्द गांव में घर के बाहर खेल रहे एक डेढ़ साल के मासूम को ट्रेक्टर ने कुचल दिया.मासूम की मौके पर ही मौत हो गई. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम सर्रखुद निवासी सुरेश आदिवासी का डेढ़ वर्षीय पुत्र अपनी दो बड़ी बहनों के साथ घर के बाहर खेल रहा था । बताया जाता है कि इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने लापरवाही पूर्ण तरीके से ट्रेक्टर चलाकर मासूम को टक्कर मार दी, जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गया । सूचना मिलने पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे. परिजन कार्तिक को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे जहां चिकित्सक ने कार्तिक को मृत घोषित कर दिया । पुलिस ने ट्रैक्टर जप्त कर मामला दर्ज कर जांच में लिया है ।

गंभीर लापरवाही: परसाई कॉलोनी स्थित एक निजी अस्पताल का मामला

पेट में चीरा लगाया, बिना ऑपरेशन ही सिल दिया पेट

खरगोन, दोपहर मेट्रो

शहर के परसाई कॉलोनी स्थित एक निजी अस्पताल में चिकित्सा लापरवाही जैसा अनोखा मामला सामने आया है। यहां अपेंडिस के ऑपरेशन के लिए भर्ती महिला के पेट में डॉक्टर ने चीरा तो लगाया, लेकिन ऑपरेशन किए बिना ही पेट को सिल दिया। इस घटना को लेकर मरीज के परिजनों में नाराजगी देखने को मिली।

मामले की जानकारी के अनुसार परसाई कॉलोनी निवासी जयराम अपनी पत्नी मंगलीबाई को तेज पेट दर्द की शिकायत पर सोमवार को डॉ. डीएस सोलंकी के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जांच और सोनोग्राफी रिपोर्ट के आधार पर डॉक्टर ने अपेंडिस का केस बताकर ऑपरेशन की तैयारी की। ऑपरेशन थिएटर में महिला के पेट पर चीरा लगाया गया, लेकिन कुछ देर बाद डॉक्टर ने बताया कि यह अपेंडिस नहीं बल्कि कैंसर की गांठ जैसी संरचना प्रतीत हो रही है। इसके बाद बिना किसी उपचार के पेट को सिल दिया गया।

मरीज के पति जयराम व पुत्र सुनील ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यदि अपेंडिस नहीं था तो डॉक्टर ने ऑपरेशन की अनुमति क्यों ली और पेट में चीरा क्यों लगाया। उन्होंने इसे आर्थिक शोषण और लापरवाही बताते हुए नाराजगी जाहिर की। वहीं, डॉ. डीएस सोलंकी का कहना है कि सोनोग्राफी रिपोर्ट में अपेंडिस के लक्षण दिखाई दिए थे। ऑपरेशन के दौरान पेट में गांठ दिखने पर कैंसर की आशंका लगी, इसलिए बिना छेड़े पेट को सील कर दिया गया। डॉक्टर ने परिजनों को मरीज को हायर सेंटर, यानी इंदौर रेफर करने की सलाह दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग को इस मामले की जांच कर जिम्मेदारी तय करनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

मिठाई की दुकान से किए घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

सागर, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में जांच दल द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापामार कार्रवाई की गई। बड़ा बाजार स्थित बांके बिहारी मिष्ठान भंडार पर घरेलू सिलेंडरों का व्यवसायिक उपयोग किए जाने के कारण मौके से घरेलू एलपीजी सिलेंडर जप्त किए गए। नाप तौल निरीक्षक द्वारा तौल कांटों का परीक्षण करने पर वे सत्यापित नहीं पाए गए। जिस पर जुर्माने की कार्यवाही की जावेगी . खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। प्रतिष्ठान संचालक से क्रय एवं विक्रय संबंधी दस्तावेज मांगे जाने पर उन्होंने बताया कि इस संबंध में कोई रिकॉर्ड नहीं बनाया जाता। निरीक्षण दल में जिला खाद एवं आपूर्ति अधिकारी ज्योति बघेल निशांत पांडे सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जाहिर-सूचना

भूमि स्थित ग्राम- नयापुरा सोडरपुर, तहसील गौहरगंज, जिला रायसैन म.प्र. के सबंध में

मैं अपने पक्षकार के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सुचित करता हूँ कि मेरे पक्षकार नें भूमि स्थित ग्राम- नयापुरा सोडरपुर, पटवारी हल्का नम्बर- 49, तहसील- गौहरगंज, जिला रायसेन मध्य-प्रदेश का जो कि विक्रेता- श्री अब्दुल वहीद आत्मज श्री अब्दुल सलीम, निवासी- मकान नम्बर- 8 नजूल कालोनी, बग फरहत अफजा भोपाल म.प्र. के स्वत्व एंव आधिपत्य की भूमि है जिसका खसरा नम्बर- 2/4 (स), रकवा 0.809 हेक्टेयर अर्थात 2.00 एकड़ भूमि है जिसको मेरे पक्षकार के पक्ष में विक्रय करने की आपसी सहमति विक्रेता से हो गयी है। यह कि उक्त सम्पत्ति के संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, हाऊसिंग फायनेंस संस्था, फर्म, शासकीय व गैर शासकीय कार्यालय को किसी भी प्रकार आपत्ति हो या उक्त वर्णित सम्पत्ति कहीं अनुबंध, विक्रय, दान, बंधक, गिरवी, वसीयत, हस्तांतरण इत्यादि हो तो वह इस सूचना प्रकाशन के 7 (सात) दिवस की समयावधि में मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज सहित उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा मेरा पक्षकार उक्त वर्णित भूमि का पंजीयन करा लेगा, ऐसी स्थिति में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवदीय- शिवम राजपूत
(अधिवक्ता) कार्यालय- होटल जे.पी.पैलेस के पास गौहरगंज रोड औबेदुल्लागंज मो.न.- 9755157923, 9893879224

मेट्रो एंकर मैहर जिले में पीएमश्री कन्या उमा विद्यालय के प्रिसिंपल पर छात्राओं ने लगाए मारपीट के आरोप

'किसी का हाथ टूटा तो कोई हुआ बेहोश', बोलीं-बेरहमी से पीटा

सतना, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के मैहर जिले में चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां के पीएमश्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रिसिंपल संतोष पटेल के ऊपर चार छात्राओं को बेरहमी से पीटने का आरोप लगा है। मामले की जानकारी तहसीलदार और थाना प्रभारी तक पहुंच गई है।

छात्राओं ने आरोप लगाया कि सोमवार की सुबह प्रिसिंपल संतोष पटेल ने छात्राओं को बिना कोई कारण ही डांटना शुरु कर दिया। इसके बाद फिर वह मारपीट पर उतारू हो गए। मारपीट के कारण साधना पटेल के हाथ में गंभीर चोट आई है। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, पल्लवी पटेल, निराला पटेल, साधना पटेल और एक अन्य छात्रा घायल हुई।

प्राचार्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग

मामले की जानकारी लगते ही तहसीलदार अनामिका सिंह मौके पर पहुंची। उन्होंने छात्राओं से पूछताछ की। इधर, छात्राओं के अभिभावकों की ओर से प्राचार्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही। हालांकि, अब मामले की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

उज्बेकिस्तान किक बॉक्सिंग विश्व कप

लो किक स्पर्धा में भारत ने जीता स्वर्ण

जालंधर। भारत की प्रियंका ठाकुर ने उज्बेकिस्तान किकबॉक्सिंग विश्व कप 2025 के फाइनल में उज्बेकिस्तान की खिलाड़ी को 3-0 से हराकर सीनियर लो किक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। मनप्रीत कौर ने फुल कॉन्टैक्ट में कांस्य पदक जीता। पंजाब के जालंधर के पीएपी में दोनों खिलाड़ी पंजाब पुलिस में हेड कांस्टेबल के पद पर कार्यरत हैं। टीम का मार्गदर्शन इंस्पेक्टर खेम चंद और अंकुश घारू ने किया। प्रियंका ठाकुर और मनप्रीत कौर ने अपने कोच को लेकर कहा कि उनकी अच्छी ट्रेनिंग की बदौलत वह मेडल जीत पाई हैं। प्रियंका ने कहा कि यह कंपटीशन काफी टफ था, लेकिन उन्होंने पूर्ण प्रयास किया और गोल्ड मेडल जीत पाईं। एक तरह से उन्होंने दिवाली पर भारत को गोल्ड मेडल जीतकर तोहफा दिया है।

प्रियंका ने कहा कि वह वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए और भी कड़ी मेहनत करेंगी और उसमें भी गोल्ड मेडल जीतकर भारत की झोली में डालेंगी। उन्होंने अपने कोच का धन्यवाद किया और कहा कि उन्होंने हमें अच्छे तरीके से गाइड किया था जिस कारण वह उम्मीद लेकर गए थे और वह उम्मीद पर खरे उतरे हैं। प्रियंका ने कहा कि उज्बेकिस्तान और तुर्की के प्लेयर के साथ मुकाबला काफी टफ रहा है। पंजाब पुलिस में हेड कांस्टेबल मनप्रीत कौर ने कहा कि उनका यह पहला कंपटीशन था और उन्होंने इस कंपटीशन में बहुत कुछ सीखा है।

14 की उम्र में बड़ी उपलब्धि

वैभव सूर्यवंशी बने रणजी ट्रॉफी में बिहार के उपकप्तान

नई दिल्ली , एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी को महज 14 साल की उम्र में बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने रणजी ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय टीम का उपकप्तान नियुक्त किया है। बिहार टीम की कमान सकीबुल गनी के हाथों में है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे तेज दूसरा शतक जड़कर अपनी छाप छोड़ने वाले वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 टीम के लिए खेलते हुए इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। अब वह रणजी ट्रॉफी में खेलते नजर आएंगे। इसी के साथ वैभव ने सीनियर टीम की तरफ एक और कदम बढ़ा दिया है।

अगर वैभव रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हैं, तो यहां से उनके लिए भारत की सीनियर टीम के दरवाजे खुल सकते हैं। वैभव आईपीएल इतिहास के युवा शतकवीर और सबसे तेज आईपीएल शतक (35 बॉल) लगाने वाले भारतीय भी हैं। आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने के मामले में वैभव से आगे सिर्फ क्रिस गेल (30 बॉल) हैं।

वैभव सूर्यवंशी ने अपना पहला आईपीएल सीजन राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेला, जिसके 7 मुकाबलों में 36 की औसत के साथ 252 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और एक अर्धशतक निकला। जब वैभव सूर्यवंशी ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपना पहला आईपीएल मैच खेला, उस समय उनकी उम्र महज 14 साल और 23 दिन थी। वैभव सूर्यवंशी ने यूथ वनडे सीरीज में 143 रन की पारी खेली थी। हाल ही में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध यूथ टेस्ट में 113 रन बनाए।

महिला विश्व कप: अंक तालिका में तीसरे नंबर पर भारत

सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए टीम इंडिया को हर हाल में जीतने होंगे तीनों मुकाबले

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय महिला टीम ने वनडे विश्व कप में अपने पिछले दो मैच हारे हैं, लेकिन वह अभी भी सेमीफाइनल की दौड़ में बनी हुई है। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम ने टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत की थी और अपने पहले दो मैच जीते थे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के सामने टीम लक्ष्य का बचाव नहीं कर सकी। हालांकि दो मैच हारने के बाद भी टीम फिलहाल अंक तालिका में तीसरे स्थान पर मौजूद है।

भारत ने महिला विश्व कप के पहले मैच में श्रीलंका को हराया था और फिर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को मात दी थी। लेकिन उसे दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला टीम ने चार में से दो मैच जीते हैं और दो में उसे हार मिली है। टीम फिलहाल चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर है और उसका नेट रनरेट भी +0.682 का है जो उसके लिए सकारात्मक बात है। भारत को अब इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ मैच खेलने हैं। उसे अगर आसानी से सेमीफाइनल में पहुंचना है तो सभी मैच जीतने होंगे, लेकिन अब वह ज्यादा हार झेलने का जोखिम नहीं उठा सकती। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की टीम फिलहाल अंक तालिका में शीर्ष पर है। ऑस्ट्रेलिया ने चार मैच खेले हैं और वह तीन जीत और एक बेनतीजा के साथ साथ अंक लेकर पहले स्थान पर मौजूद हैं। दूसरे नंबर पर इंग्लैंड की टीम ने जिसने अपने तीनों मैच जीते हैं। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के लिए आगे की राह कठिन नहीं है, लेकिन शेष दो स्थान के लिए मुख्य रूप से भारत, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच प्रतिस्पर्धा है। अभी कोई भी टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर नहीं हुई है, लेकिन बांग्लादेश, श्रीलंका और पाकिस्तान के लिए अंतिम चार में पहुंचना चुनौतीपूर्ण है।

दक्षिण अफ्रीका के लिए बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला अहम

भारत को अगर सेमीफाइनल में जगह बनानी है तो न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और बांग्लादेश को हराना होगा और एक भी हार से उसके लिए मुश्किल खड़ी हो सकती है। दक्षिण अफ्रीका के लिए बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला काफी अहम है। अगर टीम ये मैच जीत लेती है तो तालिका में स्थिति मजबूत कर लेगी। वहीं, न्यूजीलैंड को भी जल्द ही फॉर्म में वापसी करनी होगी। इसके अलावा श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान को शेष मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पाकिस्तान के लिए स्थिति सबसे ज्यादा मुश्किल है जो अब तक जीत का खाता भी नहीं खोल सकी है और अपने शुरुआती तीनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान का खुलासा, बोलीं- रणनीति से बदली मैच की दिशा

विशाखापत्तनम। विशाखापत्तनम में खेले गए महिला वनडे विश्व कप के रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को तीन विकेट से हराकर 331 रन के रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा किया। इस जीत की नायिका रहीं कप्तान एलिसा हीली, जिन्होंने मात्र 107 गेंदों में 142 रन की शानदार और मैच जिताऊ पारी खेली। मैच के बाद हीली ने बताया कि उनकी टीम ने भारतीय तेज गेंदबाजों को निशाना बनाने की विशेष रणनीति अपनाई थी, जो अंततः पूर्ण रूप से सफल साबित हुई। हीली ने कहा कि उन्होंने पिच की प्रकृति को जल्दी समझ लिया था। हीली ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगा कि बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी को पिच से काफी मदद मिल रही थी। वह गेंदबाजों में सबसे प्रभावी थीं। इसलिए हमने सोचा कि अगर हमें रन बनाने हैं, तो तेज गेंदबाजों पर अटैक करना होगा।

भारत की बेटियां बेमिसाल

14 अक्टूबर को जन्मीं भारत की दो खिलाड़ी, जिन्होंने अलग-अलग खेलों में लहराया परचम

नई दिल्ली। भारतीय खेल जगत के लिए 14 अक्टूबर का दिन बेहद खास है। इस दिन दो ऐसी महिला खिलाड़ियों का जन्म हुआ, जिन्होंने वैश्विक मंच पर अलग-अलग खेलों में भारत का नाम रोशन किया। इनमें से पहली खिलाड़ी पूनम राउत हैं। 14 अक्टूबर 1989 को मुंबई में जन्मीं पूनम राउत की कहानी दंगल फिल्म से कम नहीं है। बोरीवली वेस्ट में पली-बढ़ीं पूनम को बचपन से ही क्रिकेट खेलने का शौक था। जब एक बार पूनम गली क्रिकेट खेल रही थीं, तो पिता ने उन्हें बल्लेबाजी करते हुए देख लिया। इसके बाद पिता ने उन्हें क्रिकेट कोचिंग के लिए भेजा।

कभी पिता भी टेनिस बॉल से क्रिकेट खेलते थे, लेकिन परिस्थितियों के चलते टीम इंडिया के लिए खेलने का सपना साकार नहीं कर सके। परिवार के गुजर-बसर के लिए उन्होंने ड्राइवर की नौकरी शुरू कर दी। घर में इतनी जगह तक नहीं थी कि क्रिकेट किट रखी जा सके, लेकिन उन्होंने बेटी के जरिए ही अपने अधूरे सपने को पूरा करने की ठानी। उन्होंने 10 हजार रुपए उधार लेकर बेटी को क्रिकेट एकेडमी भेजा। जब पूनम महज 16 साल की थीं, तो उनका सेलेक्शन एशिया कप के लिए हो गया था। आनन-फानन में पिता ने बेटी का पासपोर्ट बनवाने के लिए दौड़-भाग शुरू की, लेकिन इसमें देरी हो गई। पूनम राउत को आखिरकार मार्च 2009 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू का मौका मिला। उन्हें पारी संभालने और शीर्ष क्रम को स्थिर करने की क्षमता के लिए आज भी याद किया जाता है।

हरजिंदर कौर: महिनस वेटलिफ्टिंग में भारत की युवा लड़कियों को किया प्रेरित

दूसरी खिलाड़ी हरजिंदर कौर हैं, जिन्होंने महिला वेटलिफ्टिंग में भारत की युवा लड़कियों को प्रेरित किया है। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में महिलाओं के 71 किलोग्राम भार वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था। इस स्पर्धा में हरजिंदर ने स्नैच में 93 किलोग्राम, जबकि क्लीन एंड जर्क में 119 किलोग्राम भार उठाया था। उन्होंने कुल 212 किलोग्राम भार उठाते हुए देश को पदक दिलाया था। इसके बाद हरजिंदर ने नेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2023 में महिलाओं की 71 किलोग्राम वर्ग की स्पर्धा के क्लीन एंड जर्क में 123 किलोग्राम भार उठाते हुए नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया था। वहीं, नेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2024 में उन्होंने तीन नए नेशनल रिकॉर्ड बनाए। हरजिंदर ने 71 किलोग्राम वर्ग की स्पर्धा के स्नैच में 98 किलोग्राम, क्लीन एंड जर्क में 125 किलोग्राम और कुल 223 किलोग्राम में यह रिकॉर्ड बनाए।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

अनुपम खेर ने शुरू की डांस क्लास

तौबा तौबा पर सीखा हुक स्टेप इंस्टाग्राम पर शेयर किया वीडियो

दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर अक्सर अपनी सोशल मीडिया पोस्ट्स के कारण चर्चा में रहते हैं। सोमवार को उन्होंने बताया कि एक अभिनेता के तौर पर सब कुछ सीखने की कोशिश की है, यहां तक कि 68 साल की उम्र में तैराकी भी सीखी, लेकिन डांस से हमेशा दूरी बनाए रखी। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की, जिसमें वे कोरियोग्राफर सीजर बॉस्को से डांस सीखते नजर आ रहे हैं। वीडियो में बोस्को अभिनेता को विक्की कौशल के गाने श्तौबा तौबाश् पर स्टेप के अनुसार डांस सिखा रहे हैं। वीडियो पोस्ट कर उन्होंने लिखा, मैंने एक अभिनेता के तौर पर जिंदगी में लगभग सब कुछ करने की कोशिश की है और आज भी अपने अभिनय को बेहतर बनाने में लगा रहता हूं, लेकिन एक चीज से मैं हमेशा दूर रहा। वो है डांसिंग, क्योंकि मुझे डांस करना नहीं आता। फिल्मों में गानों के दौरान जो आप मुझे करते हुए देखते हैं, वो मेरी कोशिश होती है उस सिचुएशन को एन्जॉय करने की। लेकिन पिछले महीने मैंने तय किया कि अब डांस सीखना है।

पिछले महीने डांस सीखने का किया था फैसला

अभिनेता ने आगे बताया, पिछले महीने मैंने डांस सीखने का फैसला किया और अपनी पहली डांस क्लास ली। अभिनेता ने बताया कि जिम में उनकी मुलाकात मशहूर कोरियोग्राफर सीजर बॉस्को से हुई, जिन्होंने सिर्फ 3 मिनट में उन्हें फिल्म बैड न्यूज के गाने श्तौबा तौबाश् का हुक स्टेप सिखाया। अनुपम ने वीडियो के आखिरी में लिखा, हंसना नहीं, हौसला बढ़ाना ! जय हो ! बता दें, गाना तौबा तौबा साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म बैड न्यूज का है, जो रिलीज के बाद से ही काफी ट्रेंड में रहा था। गाने में विक्की कौशल के डांस मूव्स ने खूब सुर्खियां बटोरीं थीं। कई इंफ्लूएंसर्स और यूजर्स ने इस गाने पर रील्स बनाकर सोशल मीडिया पर ट्रेंड में हिस्सा लिया। गाने को करण औजला ने गाया और इसके बोल भी उन्होंने ही लिखे। कोरियोग्राफी बोस्को-सीजर की जोड़ी ने की थी।

मेट्रो बाजार

इस धनतेरस पर सोने की कीमतें 1.3 लाख रुपए तक पहुंचने का अनुमान

मुंबई। विशेषज्ञों का अनुमान है की सोने की मौजूदा शानदार तेजी 2025 में आगे भी जारी रहेगी और इस धनतेरस पर सोने की कीमतें 1.3 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकती हैं। 2026 की शुरुआत तक यही कीमतें 1.5 लाख रुपए के आंकड़े को भी छू सकती हैं। यह उछाल वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की मजबूत खरीदारी और ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के कारण है, जिससे पीली धातु के लिए निवेशकों की मांग मजबूत बनी हुई है। बाजार विशेषज्ञों ने कहा, रिकॉर्ड कीमतों पर भी केंद्रीय बैंकों और ईटीएफ की मजबूत खरीदारी, साथ ही आगामी ब्याज दरों में कटौती के बीच फिएट करेंसी में कम होते भरोसे के कारण सोने की कीमतें ऊंची बनी रहेंगी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर, इस हफ्ते दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट के लिए सोने की कीमतें 1,22,284 रुपओ प्रति 10 ग्राम तक पहुंच चुकी हैं। विश्लेषकों ने कहा कि यह तेजी वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीदों के कारण है। उन्होंने कहा, कमजोर अमेरिकी डॉलर ने दूसरी मुद्राओं में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए सोना अधिक किफायती बना दिया है, जिससे मांग को बढ़ावा मिला है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव के बीच सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी जारी रही।

जीएसटी का असर! पारले जी के ज्यादा वजन वाले पैकेट दिसंबर माह तक आएंगे बाजार में

नई दिल्ली। जीएसटी सुधार लागू होने के बाद देश की दिग्गज फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) कंपनी पारले के उत्पादों के कम एमआरपी और ज्यादा वजन वाले नए पैकेट दिसंबर तक बाजार में आ जाएंगे। यह जानकारी कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट मयंक शाह ने दी।

शाह ने कहा कि जीएसटी सुधार के बाद एफएमसीजी कंपनियों के लिए कीमतों में बदलाव करना आसान नहीं रहा है। टैक्स कम होने के बाद पैकेट साइज और वजन एवं कीमत को लेकर थोड़ी कन्फ्यूजन की स्थिति है। इस पर विस्तार से चर्चा की गई है और आमतौर पर एफएमसीजी कंपनियों को अपने उत्पादों के पैकेजों में बदलाव करने में लगभग डेढ़ से दो महीने का समय लगता है।

उन्होंने नए पैकेट की टाइमलाइन के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि पहले चरण में बड़े और ज्यादा एमआरपी वाले पैकेट्स की एमआरपी को कम किया जाएगा। उसके बाद कम एमआरपी वाले छोटे पैकेट, जिनकी बाजार में हिस्सेदारी करीब 60-70 प्रतिशत है, में बदलाव किया जाएगा। यह ग्राहकों को नवंबर के अंत या दिसंबर की शुरुआत में धीरे-धीरे दिखने लगेंगे। कम एमआरपी वाले प्रोडक्ट्स पर चर्चा करते हुए शाह ने कहा कि 5 रुपए वाला पैकेट 4.5 रुपए और 10 रुपए वाला पैकेट 9 रुपए का हो सकता है। नए जीएसटी सुधार 22 सितंबर को लागू हुए थे। इसके तहत, सरकार ने दैनिक उपभोग से लेकर गाड़ियों पर टैक्स में भारी कटौती की थी। इस महीने की शुरुआत में 15वीं फाइनेंस कमीशन के चेयरमैन और अर्थशास्त्री एनके सिंह ने कहा था कि जीएसटी सुधार से देश के आम नागरिकों को बढ़ी राहत मिली है।

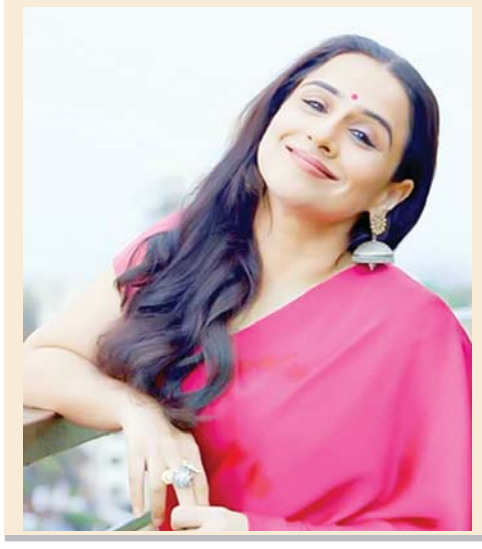

विद्या बालन ने बताया आकर्षण के नियम की वजह से उन्हें मिली थी परिणीता

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने सोमवार को बताया कि उन्हें अपनी पहली फिल्म परिणीता कैसे मिली थी। उन्होंने साथ में यह भी बताया कि फिल्म के निर्देशक प्रदीप सरकार के साथ काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा। विद्या ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह सीखो ना नैनो की भाषा पिया गाने पर एक्टिंग करती दिखाई दे रही हैं। इस गाने के बारे में बात करते हुए विद्या ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार यह गाना सुना, तो उन्हें तुरंत यह पसंद आ गया और वह प्रदीप सरकार जैसे निर्देशक के साथ काम करने के सपने देखने लगी थीं। विद्या ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, मुझे गानों पर लिप सिंक करना बहुत पसंद है और यह गाना मुझे बहुत पसंद है। जब मैंने इसे पहली बार देखा, तो मैं प्रसून जोशी के गीत से उतनी ही प्रभावित हुई जितनी कि इसके फिल्मांकन से। इसी दौरान मेरे मन में इस कुशल कहानीकार प्रदीप सरकार के साथ काम करने की इच्छा भी जागी। इसमें उन्होंने आगे बताया कि कैसे उन्हें अपनी पहली फिल्म परिणीता मिली। उन्होंने आगे लिखा, मुझे पता भी नहीं था कि ब्रह्मांड ने अपना जादू चलाना शुरू कर दिया है।

ड्रैगन के डैम प्लान को भारत देगा बड़ा झटका 77 अरब डॉलर का मास्टर प्लान तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन के डैम प्लान वाले प्लान को टक्कर देने के लिए भारत ने बड़ा मास्टर प्लान बनाया है। भारत की बिजली योजना एजेंसी केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने देश में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए एक 6.4 लाख करोड़ (77 अरब डॉलर) की विशाल ट्रांसमिशन योजना तैयार की है। इस योजना के तहत ब्रह्मपुत्र बेसिन से 2047 तक 76 गीगावॉट से अधिक हाइड्रोइलेक्ट्रिक क्षमता को देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंचाया जाएगा। सीईए की रिपोर्ट के अनुसार, यह योजना पूर्वोत्तर राज्यों में फैले 12 उप बेसिनों में 208 बड़े हाइड्रो प्रोजेक्ट्स को कवर करती है। इनमें 64.9 गीगावॉट की संभावित क्षमता और 11.1 गीगावॉट की पंप स्टोरेज प्लांट क्षमता शामिल है। यह कार्य दो चरणों में होगा। पहला चरण 2035 तक चलेगा, जिसकी अनुमानित लागत 1.91 लाख करोड़ होगी। दूसरा चरण 2047 तक चलेगा, जिसकी लागत 4.52 लाख करोड़ होगी। भारत को चिंता है कि अगर चीन यारलुंग जांगबो (ब्रह्मपुत्र का ऊपरी हिस्सा) पर बड़ा बांध बनाता है, तो भारत में जल प्रवाह 85 प्रतिशत तक कम हो सकता है। ब्रह्मपुत्र बेसिन अरुणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम, मिजोरम, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड और पश्चिम बंगाल के हिस्सों में फैला हुआ है।

गाजा शांति सम्मेलन में भारत के बड़े नेता का न होना चूक: थरूर

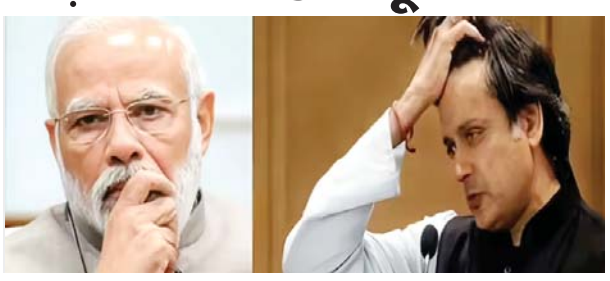

नई दिल्ली, एजेंसी

गाजा शांति सम्मेलन में भारत सरकार के फैसले पर शशि थरूर ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने इसे बहुत बड़ी रणनीतिक चूक बताया है। उन्होंने सरकार की तरफ से इस सम्मेलन में एक राज्य मंत्री को भेजने पर हैरानी जताई। उन्होंने कहा कि सम्मलेन में किसी बड़े नेता का न होना हमारे महत्व को कम कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम इसे रणनीतिक संयम माने या हम एक बड़ा अवसर चूक गए।

बता दें कि मिस्र के शर्म अल-शेख में गाजा शांति शिखर सम्मेलन चल रहा है और इस सम्मेलन का प्रतिनिधित्व विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह कर रहे हैं। हालांकि, इस सम्मेलन में शामिल होने के लिए पीएम मोदी को आमंत्रित किया गया था, लेकिन किसी कारणों से वह शामिल नहीं हो पाए। अब इसी को लेकर शशि थरूर सवाल उठा रहे हैं।

उनका कहना है कि इस सम्मेलन में दुनिया भर के दिग्गज नेता शामिल हो रहे हैं और वे अपने विचार रख रहे हैं, लेकिन हमारे यहां से एक राज्य मंत्री को वहां भेजा गया है, जो कि बहुत ही अधिक हैरान करने वाला है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि शर्म अल-शेख गाजा शांति शिखर सम्मेलन में राज्य मंत्री के स्तर पर भारत की उपस्थिति, वहां एकत्रित राष्ट्राध्यक्षों के बिल्कुल विपरीत है।

रणनीतिक संयम या चूका हुआ अवसर

यह कीर्तिवर्धन सिंह की योग्यता पर कोई टिप्पणी नहीं है, उनकी योग्यता पर कोई प्रश्न नहीं है; लेकिन उपस्थित दिग्गजों की मौजूदगी को देखते हुए, भारत के इस निर्णय को रणनीतिक दूरी को प्राथमिकता देने के संकेत के रूप में देखा जा सकता है, जो हमारे बयानों से जाहिर नहीं होता।

सेना ने दिया साथ, देश छोड़कर भागे राष्ट्रपति

जेन-जी के आक्रोश से नेपाल के बाद मेडागास्कर में तख्तालपट की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

अफ्रीकी महाद्वीप के मेडागास्कर देश में बिजली, पानी की मांग को लेकर 25 सितंबर को शुरू हुआ जेन-जी का सरकार विरोधी प्रदर्शन उग्र हो गया। हालात ये हो गई कि मेडागास्कर के राष्ट्रपति एंड्री राजोएलिना को देश छोड़ना पड़ा। प्रदर्शन को देखते हुए राष्ट्रपति राजोएलिना ने अपनी सरकार को बर्खास्त कर दिया था, लेकिन उनकी यह तरकीब भी काम नहीं आई। यहां के नौजवानों के विद्रोह में अब सेना की एंट्री हो गई है। मेडागास्कर के राष्ट्रपति ने एक दिन पहले दावा किया था कि सेना तख्तालट करना चाहती है। यहां जेन-जी ने पानी और बिजली की कमी को लेकर प्रदर्शन शुरू किया था। इस दौरान हजारों युवा सड़क पर उतर गए, जिनकी थोड़ी देर बाद सुरक्षाबलों के साथ झड़प हो गई। इसमें करीब 22 लोगों की मौत हो गई।

फ्रांसीसी सैन्य विमान से भागे राष्ट्रपति

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के अनुरोध पर 12 अक्टूबर को फ्रांसीसी सैन्य विमान से राष्ट्रपति एंड्री राजोएलिना को सुरक्षित मेडागास्कर से निकाला गया। राजोएलिना ने साल 2009 में सेना के समर्थन से पहली बार सत्ता हासिल की थी। साल 2014 में उन्होंने पद छोड़ दिया था। 2018 में चुनाव जीतकर वे एक बार फिर मेडागास्कर के राष्ट्रपति बन गए। मेडागास्कर के विपक्षी नेता ने युवाओं के कई सप्ताह के विरोध प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति काफी अलग-थलग पड़ गए थे। सेना की एक युनिट सेपसट भी प्रदर्शनकारियों के साथ इन रैलियों में शामिल हुए। सेना के इस युनिट ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने के आदेश को अस्वीकार कर दिया था।

जेन-जी को सेना का साथ

नेपाल के बाद यह दूसरी बार है, जब जेन-जी सत्ता परिवर्तन में कामयाब रहा है। नेपाल और केन्या में जेन-जी आंदोलन को देखते हुए 25 सितंबर को मेडागास्कर के युवाओं ने भी पानी और बिजली की कमी का हवाला देते हुए सरकार के खिलाफ हल्ला बोल आंदोलन किया। सेना ने भी प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया, जिससे राष्ट्रपति एंड्री की मुश्किलें बढ़ गईं। प्रदर्शनकारी लगातार एंड्री के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। मेडागास्कर में विपक्ष के नेता सितेनी ने बताया कि रविवार को सेना की एक टुकड़ी भी जेन-जी प्रदर्शनकारियों में शामिल हो गई थी, जिसके बाद किसी को बिना बताए राष्ट्रपति एंड्री देश से भाग गए हैं। हालांकि, राष्ट्रपति भवन ने अभी तक इस पर कोई औपचारिक बयान नहीं दिया है।

मांझी की पार्टी में बगावत! चुन्नू शर्मा ने दिया इस्तीफा

पटना, एजेंसी। एनडीए में सीट बंटवारे में जीतन राम मांझी की पार्टी हम को छह सीटें टिकारी, कुटुंबा, अतरी, इमामगंज, सिकंदरा और बाराचट्टी मिली हैं। इसमें उनके सबसे करीबी चुन्नू शर्मा की सीट जहानाबाद कट गई है। 'हम' के राष्ट्रीय सचिव रितेश कुमार उर्फ चुन्नू शर्मा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इसी जहानाबाद से निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। शर्मा मांझी के काफी करीबी माने जाते हैं। वे मखदुमपुर के पलया गांव के रहने वाले हैं। मांझी जब मखदुमपुर के विधायक रहते मुख्यमंत्री बने थे, तब शर्मा को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया था। पार्टी के निर्णयों में उनका भी बड़ा दखल रहता था।

दरअसल, रितेश कुमार उर्फ चुन्नू शर्मा जहानाबाद विधानसभा क्षेत्र में काफी सक्रिय थे और जीतन राम मांझी के निर्देश पर कई बड़ी रैलियों का आयोजन कर चुके हैं। सीट बंटवारे के बाद जब जहानाबाद सीट मांझी के खाते में नहीं आई तो रितेश कुमार उर्फ चुन्नू को गहरा झटका लगा। यही कारण है कि उन्होंने अब निर्दलीय उतरने का फैसला कर लिया है। वे 16 अक्टूबर को अपना नामांकन भर सकते हैं।

त्योहारों पर आतंकी हमले का खतरा दिल्ली में जांच एजेंसियां अलर्ट पर

नई दिल्ली, एजेंसी

दिवाली से पहले खुफिया विभाग ने दिल्ली-एनसीआर सहित कई महानगरों में आतंकी हमले की आशंका जताते हुए चेतावनी जारी की है। एजेंसियों का कहना है कि भीड़भाड़ वाले इलाकों और धार्मिक स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। आतंकी हमले की आशंका से अधिकारियों के होश उड़ गए हैं। इंटेलिजेंस सूत्रों के मुताबिक, हालिया अंतरराष्ट्रीय घटनाओं और 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत के कई बड़े शहर आतंकी संगठनों के निशाने पर हैं।

दिल्ली के प्रमुख बाजार, मॉल, धार्मिक स्थल और विदेशी पर्यटकों के ठिकाने संभावित संवेदनशील क्षेत्र माने गए हैं। **पंजाब में खालिस्तानी संगठनों की सक्रियता से बढ़ा खतरा:** पंजाब में भी आतंकी हमले का खतरा बढ़ा है। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई, खालिस्तानी आतंकी नेटवर्क के साथ मिलकर आईईडी धमाकों की साजिश रच रही है। सूत्रों का कहना है कि पुलिस चौकियां और सुरक्षा ठिकाने आतंकियों के निशाने पर हैं।

खुफिया इनपुट यह भी बता रहे हैं कि आतंक का नेटवर्क अब सोशल मीडिया का इस्तेमाल नए तरीके से कर रहा है। पाकिस्तान और बांग्लादेश से संचालित कई फर्जी अकाउंट धार्मिक उकसावे और अफवाह फैलाने में जुटे हैं। इन पोस्टों का मकसद त्योहारों के दौरान माहौल बिगाड़ना और अस्थिरता फैलाना बताया गया है। दिल्ली पुलिस ने सभी बाजारों, मेट्रो, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त कर दिया है। सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है और संवेदनशील इलाकों में लगातार जांच अभियान चलाए जा रहे हैं।

करवा चौथ पर व्रत खोलने से पहले डांस करती महिला को आया हार्ट अटैक, मौत

बरनाला, एजेंसी

पंजाब के बरनाला जिले में करवा चौथ का त्योहार बड़ी अनहोनी घटना में बदल गया। तापा कस्बे में अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रख रहीं 59 साल की आशा रानी की नाचते-गाते अचानक दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। घटना तब हुई जब वह अन्य महिलाओं के साथ पंजाबी गानों पर थिरक रही थीं। उन्हें फौरन अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

बरनाला में आशा रानी अपने पड़ोस की अन्य महिलाओं के साथ करवा चौथ मना रही थीं। सब मिलकर पंजाबी गानों पर नाच रही थीं। तभी अचानक आशा रानी को चक्कर आया और वह गिर पड़ीं। उनके पड़ोसियों ने फौरन उन्हें उठाया और पास के अस्पताल ले गए। लेकिन अफसोस अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी। डॉक्टरों ने बताया कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था।

डांस करते-करते गिरीं आशा

रिश्तेदारों के अनुसार, वह और पड़ोस की अन्य महिलाएं डीजे सिस्टम पर बज रहे पंजाबी गानों पर नाचकर करवा चौथ का जश्न मनाने के लिए इकट्ठा हुई थीं। कार्यक्रम के दृश्यों में पीली साड़ी पहने आशा रानी ज़मीन पर गिरने से कुछ पल पहले नाचती हुई दिखाई दे रही हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब यह घटना हुई, तब पूरा ग्रुप एंजॉय योर सेल्फ गाने पर डांस रहा था। इस पूरी घटना का एक वीडियो भी बनाया गया था, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग इस वीडियो को देखकर काफी दुखी हैं।

मेट्रो एंकर अलायंस एयर की इस स्कीम का इसी त्योहार सीजन में मिलने लगा फायदा

कभी भी लो टिकिट, फिक्स किराया लगेगा, आया 'फेयर से फुर्सत' स्कीम का नया पायलट प्रोजेक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने एक खास स्कीम शुरू की है। यह इंडस्ट्री में एयरफेयर का सीन बदलने की ताकत रखती है। सिविल एविएशन मिनिस्टर राममोहन नायडू किंजरापु ने लॉन्च किया। अलायंस एयर की इस स्कीम का नाम फेयर से फुर्सत फिक्स्ड एयरफेयर स्कीम है। इस स्कीम के तहत अलायंस एयर एक ही फिक्स्ड किराया ऑफर करेगी। इससे बुकिंग की तारीख या यात्रा के दिन की टेंशन खत्म होगी। यह पहल प्रधानमंत्री के विमानन को आम आदमी के लिए सुलभ और किफायती बनाने के विजन को आगे बढ़ाती है। स्कीम 13 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2025 तक चुनिंदा रूट्स पर पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लागू की जाएगी।

राममोहन नायडू ने आज फेयर से फुर्सत स्कीम का उद्घाटन किया। यह सरकार के स्वामित्व वाली क्षेत्रीय एयरलाइन अलायंस एयर की ऐतिहासिक पहल है। फेयर से फुर्सत का मकसद यात्रियों को हवाई किराए में होने वाले उतार-चढ़ाव के तनाव से मुक्ति दिलाना है। साथ ही देश में हवाई यात्रा को आसान बनाना है। इस लॉन्चिंग प्रोग्राम में नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा, अलायंस एयर के चेयरमैन अमित कुमार और अलायंस एयर के सीईओ राजर्षि सेन भी मौजूद थे।

यात्रियों का फायदा

स्कीम के तहत अलायंस एयर एक ऐसा सिंगल, फिक्स्ड किराया पेश करेगी जो बुकिंग की तारीख पर निर्भर नहीं करेगा। यानी, आप चाहे कितने भी दिन पहले टिकट बुक करें या फिर यात्रा के दिन ही क्यों न बुक करें, किराया वही रहेगा। इस पहल को 13 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2025 तक कुछ चुनिंदा रूट्स पर आजमाया जाएगा। इसका मकसद यह देखना है कि यह स्कीम कितनी कारगर है और यात्रियों को यह कितनी पसंद आती है। लॉन्च के मौके पर मंत्री ने कहा, नई स्कीम उड़ान स्कीम के मूल सिद्धांतों के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। आज अलायंस एयर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विमानन को आम आदमी के लिए सुलभ और किफायती बनाने के विजन को आगे बढ़ा रही है। खासकर मध्यम वर्ग, निम्न-मध्यम वर्ग और नव-मध्यम वर्ग को इससे फायदा हुआ है। उन्होंने आगे बताया कि इस फिक्स्ड किराए की व्यवस्था से हवाई किराए में होने वाली अनिश्चितता और तनाव खत्म हो जाएगा। इससे यात्रियों को अपने खर्चों का अंदाजा पहले से ही हो जाएगा, भले ही उन्हें आखिरी समय में टिकट क्यों न बुक करना पड़े।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने खरीदे 93 हजार करोड़ के हथियार

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर के महज पांच महीने के भीतर रक्षा मंत्रालय ने डिफेंस बजट का 50 प्रतिशत से भी ज्यादा हथियारों और दूसरे सैन्य उपकरणों पर खर्च कर लिया है। इस साल (2025-26) डिफेंस बजट में से पूंजीगत व्यय करीब 1.80 लाख करोड़ है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, सितंबर महीने तक करीब 93 हजार करोड़ (92,211,768.40) उपयोग हो चुके हैं।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, 50 प्रतिशत से अधिक पूंजीगत परिव्यय के उपयोग से आगामी वर्ष में सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए आवश्यक एयरक्राफ्ट, युद्धपोत, पनडुब्बी, हथियार प्रणाली आदि जैसे महत्वपूर्ण उपकरणों की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। अधिकांश व्यय विमानों और हवाई इंजनों पर हुआ है। इसके बाद थल सेना, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरण, आयुध और प्रक्षेपास्त्रों पर व्यय किया गया है। पिछले वित्त वर्ष में रक्षा मंत्रालय ने 1.60 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का 100 प्रतिशत उपयोग किया था। रक्षा क्षेत्र के लिए पूंजीगत व्यय महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह नई परिसंपत्तियों के अधिग्रहण, अनुसंधान एवं विकास, और सीमावर्ती क्षेत्रों में अवसंरचनात्मक विकास के लिए धन मुहैया कराता है, जो देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, पूंजीगत व्यय का आर्थिक विकास और रोजगार सृजन पर गुणात्मक प्रभाव पड़ता है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564